



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
No-14 Missing
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 14, 1979 (चैत्र 24, 1901)
No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 14, 1979 (CHAITRA 24, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 मार्च 1979

सं० ए० 12025(ii) 1/77-प्रशा० III—कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 5/79/77-सी० एम० (1) दिनांक 26-12-78 तथा पत्र सं० 5/79/77-सी० एम० (1), दिनांक 5-2-79 के अनुसरण में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० के० अरोड़ा को 26-12-78 में आगामी आदेशों तक, अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में अस्थायी आधार पर नियुक्त किया जाता है बशर्ते कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग का आरक्षित रिक्ति को अन्तर्हित करने का अनुमोदन प्राप्त हो।

2. श्री एम० के० अरोड़ा को 29-2-80 तक हैम्ब अधिकारी पुनर्पदित किया गया है तथा वह का० तथा प्र० मु० विभाग के का० जा० सं० 12/1/74-एम० सी० (I) दिनांक 11-12-75 के अनुसरण में रु० 75/- प्रति माह विशेष वेतन लेगे।

बा० ना० सोम, उप सचिव
प्रशासन प्रभावी
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 फरवरी 1979

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20-1-79 में आंशिक आशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तदर्थ आधार में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री आर० के० गोयल को, जिन्हें सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1977 के आधार पर वाणिज्य मंत्रालय में नामित किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा 23-12-78 (अपराह्न) में आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अस्थायी उधार के आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 15 मार्च 1979

सं० पी० 1968/प्रशा०—संघ लोक सेवा आयोग के के० म० सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री पन्नालाल को अखिल भारतीय मृदा एवं भूमि प्रयोग सर्वेक्षण, कृषि एवं मिचाई, मंत्रालय, कृषि विभाग में प्रतिनियुक्ति के आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के परिणामस्वरूप 15 मार्च, 1979 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के उक्त संवर्ग में कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

सं० पी०/271-प्रशा-I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० के स्थायी ग्रेड I अधिकारी तथा विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एम० पी० चक्रवर्ती को, राष्ट्रपति, द्वारा निवृत्त अवधि प्राप्त करने के पश्चात् 28-2-1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा में निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

श्री एम० पी० चक्रवर्ती को गृह मंत्रालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के पत्र सं० 39017/18/78-स्था० (ख) दिनांक 19-1-79 द्वारा सम्प्रेषित उनकी सहमति में निवृत्त की अवधि के आगे 1-3-79 से छह मास की अवधि के लिये संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर पुनर्नियुक्त किया गया है।

दिनांक 16 मार्च 1979

सं० ए० 32013/1/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा, उनमें से प्रत्येक के सामने निविष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में तदर्थ आधार पर अवर सचिव के पद पर, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम	अवधि
1.	श्री पी० सी० माथुर	19-2-79 से 18-5-79 तक
2.	श्री जे० पी० गोयल	1-2-79 से 18-4-79 तक

एम० बालचन्द्रन,
अवर सचिव (प्रशासन)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1979

सं० एम० 39/65-प्रशा०-5—भारतीय तेल निगम में बरिष्ठ सनकंता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिये चयन हो जाने पर श्री एम० मेशाद्री, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 15-3-79 के अपराह्न में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

रिपुदमन सिंह,
गायनिक अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 मार्च 1979

सं० ओ० दो० 1207/75-स्थापना—श्री मोहन सिंह ने उनके सरकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 10वीं बाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार, दिनांक 28-2-79 (अपराह्न) का त्याग दिया।

सं० ओ० दो० 1062/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने बरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-I) डाक्टर तरेन्द्र शंकर पाटिल, ग्रुप सेन्टर हॉस्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नीमच का त्यागपत्र दिनांक 30 सितम्बर, 1978 (अपराह्न) में स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ० दो० 1432/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमांगी) नेजोवनी लेले को 12-2-1979 के पूर्वाह्न में केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 27 मार्च 1979

सं० ओ० दो० 672/71-स्थापना—मंत्री मंडल सचिवालय, भारत सरकार, द्वारा उनकी सेवायें केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को समर्पित करने के फलस्वरूप श्री एम० एम० राठी को उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमान्डर), 9वीं बाहिनी, के० रि० पु० बल के पद पर 8-1-79 (पूर्वाह्न) में नियुक्त किया जाता है।

सं० ओ० दो० 1090/78-स्थापना—राष्ट्रपति ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी ले० कर्नल, टी० डी० मिन्हा, बेस हॉस्पिटल-2, के० रि० पु० बल, हैदराबाद का त्यागपत्र दिनांक 28 फरवरी, 1979 (अपराह्न) में स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय
महायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापञ्जीकार का कार्यालय

नई दिल्ली, 110011, दिनांक 27 मार्च 1979

सं० पी०/पी० (35)-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख, 20 नवम्बर, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत निर्वाचन आयोग के हिन्दी अनुवादक श्री के० एन० पन्त की भारत के महापञ्जीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 30 जून, 1979 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पन्त का मुख्यालय, नई दिल्ली में होगा।

हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री पन्त को उस पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और किसी अन्य पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएगी। इस तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताये रद्द किया जा सकता है।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 10/38/78-प्रशा०-I—इस कार्यालय की तारीख 20 जनवरी, 1979 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत के महापंजीकार, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ भूगोलवेत्ता, श्री महेश राम की उसी कार्यालय में मानचित्र विशेषक के पद पर नियुक्ति को 1 मार्च 1979 से 31 अगस्त, 1979 तक छः माह की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर संदर्भाधीन अधिसूचना में दी गई शर्तों पर, सहर्ष बढ़ाते हैं। श्री महेश राम का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

विजयपाल पाण्डे,
भारत के उप महापंजीकार

महालेखाकार कार्यालय केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 1979

सं० प्रशासन-I/का० आ० सं० 617/5-5/पदोन्नति/77-79/2618—वार्धक्य निवर्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय के स्थायी लेखा अधिकारी और स्थानापन्न जनकल्याण अधिकारी श्री एच० एन० माथुर, भारत सरकार की सेवा से दिनांक 31 मार्च, 1979 को अपराज्य में सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

सं० प्रशासन-I/का० आ० सं० 618/5-5/पदोन्नति/77-79/2620—वार्धक्य निवर्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी, भारत सरकार की सेवा से दिनांक 31 मार्च 1979 के अपराज्य में सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

नाम	जन्म तिथि
1. श्री एम० एम० मेहता	12-3-1921
2. श्री एम० एल० रंगर	1-4-1921

(ह०) अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 13 मार्च 1979

सं० प्रशासन-I/भा०ले०वि०/31-खंड-3/सी-1(1)/2—महालेखाकार, महाराष्ट्र-1, बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निदिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री सी० एल० जोशी	12-3-1979 पूर्वाह्न
2.	श्री बी० डी० भोपले	12-3-1979 पूर्वाह्न

जे० चौधरी,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रेलवे

बम्बई, दिनांक 24 मार्च 1979

सं० एयू०/एडमिन/मिस/काम/1969—श्री एन० एफ० पाटिल अनु० अधिकारी (ले० परीक्षा) दिनांक 1-3-79 से इस कार्यालय में लेखा परीक्षा अधिकारी के कार्यभारी पद पर नियुक्त किये गये।

श्रीमती आर० कृष्ण कुट्टी,
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० 23011(1)/76/प्रशा०-I—भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ समयमान के ग्रुप ए० में निम्नलिखित अधिकारियों को, उन के नाम के सामने लिखी तारीख से, पृष्ठ की जाती है :—

क्रम सं०	नाम	पुष्टि की तारीख
सर्वश्री		
1.	एम० शंकरन	14-6-1978
2.	के० जी० मेनन	14-6-1978
3.	एस० एस० राघवन	14-6-1978
4.	डी० पी० घोष	14-6-1978
5.	के० नटराजन	14-6-1978
6.	टी० एम० कल्याणरमन	15-7-1978
7.	ए० के० घोष	14-6-1978
8.	पी० एल० आहूजा	14-6-1978
9.	के० राजगोपालन	14-6-1978
10.	के० एल० भाटिया	14-6-1978
11.	जी० राघव राव	15-6-1978
12.	डी० आर० वोहरा	14-6-1978
13.	आर० विजयरघवन	10-8-1978
14.	पी० के० जैन	14-12-1978
15.	इकबाल चन्द	3-1-1979

आर० एल० बख्शी
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनैन्स फैक्ट्रियां

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय मिडिल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 16 मार्च 1979

सं० 5/79/ए/ई-1 (एन० जी०) — महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्ट्रियां, निम्नलिखित अधिकारियों को, प्रत्येक के सामने दर्शाए गए पदों में और तारीखों से, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए स्थानापन्न आधार पर प्रोन्नत करने हैं —

1. श्री आर० सुन्दरम् आशुलिपिक 1-3-76
आशुलिपिक ग्रेड-बी 1 ग्रेड-ग 1 व्यक्तिगत सचिव
वरिष्ठ व्यक्तिगत सहायक (ग्रुप-बी राजपत्रित)
(ग्रुप-बी राजपत्रित)
2. श्री अमलेन्दु चक्रवर्ती आशुलिपिक 1-3-76
आशुलिपिक ग्रेड-सी 1 ग्रेड-बी 1 वरिष्ठ
व्यक्तिगत सहायक व्यक्तिगत सहायक
(ग्रुप-बी राजपत्रित)

डी० पी० चक्रवर्ती
सहायक महानिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्ट्रियां

कलकत्ता दिनांक 16 मार्च 1979

सं० 18/जी/79—राष्ट्रपति जी, श्री एम० श्रीनिवासन, स्थायी उप-महाप्रबन्धक (योजना आयोग नई दिल्ली में प्रति नियुक्ति पर) को 21 जून, 1977 में अधिम आदेश न होने तक, स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-1 के पद पर निकटतम नीचे नियम के अन्तर्गत नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 मार्च 1979

सं० 20/79/जी—दिनांक 18-12-78 के पत्र संख्या 2010/ए/जी के अन्तर्गत प्रकाशित इस महानिदेशालय की गजट अधिमूचना संख्या 91/78/जी, दिनांक 18-12-78 में निम्न-लिखित संशोधन किया जाता है :—

शीर्षक "संख्या 91/78/जी" के अन्तर्गत दूसरी पक्ति में वास्ते दिनांक 28-2-78 (अपराल्ल) से पढ़ा जाए : दिनांक 28-2-77 (अपराल्ल) से

वी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्ट्रियां

अम मंत्रालय

(अम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 12 अप्रैल 1979

सं० 23/3/79-सी० पी० आई०—फरवरी, 1979 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूख्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जनवरी, 1978 के स्तर से तीन अंक घट कर 329 (तीन सौ उन्नतीस) रहा है। फरवरी, 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 400 (चार सौ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
संयुक्त निदेशक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1979

आयात-निर्यात व्यापार नियन्त्रण
(स्थापना)

सं० 6/341/56-प्रशा० (राज०)/2480—श्री एम० वेन्कटमुन्नियम, भूतपूर्व उप मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, भोपाल को सेवा-निवर्तन पूर्व अवकाश लेने के पश्चात् 13 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

राजेन्द्र सिंह,

उप मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 मार्च 1979

सं० ए० 19018(404)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, भारतीय डाक सेवा के अधिकारी तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में उप सचिव श्री बी० डी० टेकरीवाल को दिनांक 17 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में संयुक्त विकास आयुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 मार्च 1979

सं० 12(674)/71-प्रशासन(राजपत्रित)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के श्री के० एल० पी० राव, उप निदेशक (चमड़ा/पादुका) को दिनांक 28 दिसम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, आगरा में निदेशक ग्रेड-II (चमड़ा/पादुका) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 मार्च 1979

सं० 12(648)/70-प्रशासन(राजपत्रित)—केंद्रीय भोजार कक्ष एवं प्रशिक्षण केन्द्र, कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति से वापस होने पर श्री एस० के० बसु ने दिनांक 14 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से मृत्तिकला (सिरेमिक्स) एवं कांच उद्योगों के प्रक्रिया-सह-उत्पाद विकास केन्द्र रांची में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) पद का कार्यभार संभाल लिया।

म० ए-19018 (198)/75-प्रशासन(राजपत्रित)—राष्ट्रपति, विस्तार केन्द्र, एटिंगल के श्री पी० पी० कोवे, सहायक निदेशक ग्रेड-I (यांत्रिक) को दिनांक 14 फरवरी, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, लघु उद्योग शाखा संस्थान, रायपुर में स्थानापन्न उप निदेशक (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र गुप्त
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-J)

नई दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 1979

सं० डू०-1/1(1135)/78-राष्ट्रपति, 1977 की इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित उम्मीदवार श्री सुरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव को दिनांक 3-3-1979 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (प्रशिक्षण आरक्षी) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड 3 म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० इ० 1/1(1136)/78—राष्ट्रपति, 1977 की इन्जीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित उम्मीदवार श्री प्रवीण के० कंचन को दिनांक 1-3-1979 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (प्रशिक्षण आरक्षी) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड 3) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 मार्च 1979

सं० प्र०-1/1(684)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) श्री एम० सी० उप्रेती को दिनांक 15-1-79 के पूर्वाह्न से

इसी महानिदेशालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-1) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री उप्रेती 15-1-79 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परवीर आधीन होंगे।

के० किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० 4-158/78-स्था०—भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक, श्री एम० एम० दास को इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर 19 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से अस्थायी आधार पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

एन० आर० आर्च,
प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1979

सं० 6(138)/63-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० बी० खारे, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, लखनऊ, को आकाशवाणी बीकानेर, में 24 फरवरी, 1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 5(49)/68-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अरुणराय चौधरी, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, कटक को आकाशवाणी कटक में 28 फरवरी, 1979 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री० बी० शर्मा,
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1979

सं० ए० 31014/2/78-के० म० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन चल रही केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में कार्य कर रहे निम्नलिखित होम्योपैथिक कार्य चिकित्सकों को प्रत्येक के आगे लिखी तिथि से स्थाई आधार पर नियुक्त किया है —

क्र०सं० डाक्टरों के नाम	स्थायी नियुक्ति की तिथि
1. डा० बी० सी० राय	1-8-1974
2. डा० बी० पी० मिश्रा	9-2-1977
3. डा० (श्रीमती) सरोजिनी निगम	9-2-1977
4. डा० (कुमारी) राज मेहरा	9-2-1977
5. डा० एम० एल० मदरिया	9-2-1977
6. डा० बी० एम० वाडिखरे	22-3-1978
	एन० एन० घोष, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० ए० 1-14/75-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती प्रणति नन्दी को 5 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता से ट्यूटर डायटीशियन के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 22 मार्च 1979

सं० ए०-19019/156/76-ए (आई० एच० पी० एच०) प्रशासन-I—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर डा० एस० आर० चौधरी ने 28 फरवरी, 1979 के अपराह्न से अखिल भारतीय स्वास्थ्य-विज्ञान एवं जनस्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता से शरीर क्रियात्मक और औद्योगिक स्वास्थ्य विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुडियाला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० ए० 32014/3/78-एम०आई—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा भण्डार डीपू, मद्रास में वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के पद पर कार्य कर रहे श्री आर० नागराजन को 23 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी डीपू में सहायक फैक्टरी प्रबन्धक (ग्रुप 'बी' राजपत्रित) के पद पर पूर्णतः अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 22 मार्च 1979

सं० ए० 32015/4/78-स्टोर-I (भाग)—इस निदेशालय की 20 नवम्बर, 1978 की अधिसूचना संख्या ए० 32015/4/78-स्टोर-I का अधिक्रमण करते हुए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने परिवार कल्याण उप केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री जे० के० लौल को 13 जनवरी, 1978 से एक वर्ष के लिए या आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में सहायक डीपू प्रबन्धक, परिवार कल्याण उप केन्द्र ग्रुप 'बी' राजपत्रित के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

एस० के० कर्माक,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर्ज)

कृषि एवं सिंचाई मन्त्रालय

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० 2(1)/79-स्था०(1)—सहायक सम्पदा (हिन्दी) के पद पर श्री श्रीम प्रकाश सुत की तदर्थ नियुक्ति 6 मार्च, 1979 से आगे और 6 जून, 1979 तक बढ़ा दी गई है।

दिनांक 23 मार्च 1979

सं० 2-11/77-स्था०-II—सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर श्री कृष्ण कुमार शर्मा की नियुक्ति 28 फरवरी, 1979 से आगे 30-6-79 तक बनी रहेगी।

बटीनाथ चड्ढा
निदेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० ए० 31014/4/78-प्र० I—कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार श्री रामजीत वर्मा के विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 25-11-78 से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के स्थाई पद पर मूलतः नियुक्त करते हैं।

बी० एल० मनिहार
निदेशक, प्रशासन

फरीदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० ए०-19023/3/79-प्र०-II—श्री बी० बी० सरकार, सहायक विपणन अधिकारी को फरीदाबाद में दिनांक 17-3-79 (पूर्वाह्न) से अल्पकालीन आधार पर तीन माह की अवधि के लिए या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध किये जाते हैं, जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नत होने पर श्री सरकार ने दिनांक 17-3-79 के पूर्वाह्न से फरीदाबाद में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 1 मार्च 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3(283)/76-प्रशा०/278-2939—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतद्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री पी० वसु को, 26 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से 18 अप्रैल, 1979 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० डी० ताम्बे के स्थान पर की जा रही है, जिनकी पदोन्नति लेखा अधिकारी II के पद पर की गई है।

बी० वी० थाट्टे,
प्रशासनिक अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

दिनांक 16 मार्च 1979

बम्बई-400001, दिनांक 19 मार्च 1979

म० डी० पी० एम०/21/1(3)/77-संस्थापन/8391—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय, निम्नलिखित भंडारियों को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में उनके सामने अंकित निधि में इसी निदेशालय में अस्थाई तौर पर अग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	यूनिट	दिनांक
सर्वश्री			
1	जी० आर० जी० चौधरी	भंडार यूनिट (डी० पी० एम०) एन० एफ० सी०, हैदराबाद	26-2-79 पूर्वाह्न
2	आर० एम० मौडकर	भंडार यूनिट, (डी० पी० एम०) एन० एफ० सी०, हैदराबाद	5-2-79 पूर्वाह्न
3	एच० जी० दुआ	भंडार यूनिट, (डी० पी० एम०) एन० एफ० सी०, हैदराबाद	31-1-79 पूर्वाह्न
4	के० सी० एम० पिल्लै	भंडार यूनिट (डी० पी० एम०) ए० एम० डी०, राजनन्द गांव	28-2-79 पूर्वाह्न
5	के० टी० कुमार	भंडार यूनिट, (डी० पी० एम०) बी० ई० सी०, कलकता	13-2-79 अपराह्न
6	बी० एन० उड्डानी	भंडार यूनिट, (डी० पी० एम०) आर० एम० पी० पी०, कोटा	29-1-79 पूर्वाह्न
7	बी० लक्ष्मणराव	भंडार यूनिट, (डी० पी० एम०) एच० डब्लू० पी०, तलचूर	6-2-79 अपराह्न
8	सी० एच० बालगोपालन	भंडार यूनिट, (डी० पी० एम०) एन० ए० पी० पी० नगौरा ।	23-2-79 पूर्वाह्न

म० डी० पी० एम०/23(9)/77-संस्थापन/8360—निदेशक, क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री टी० जी० गिडवानी, 1616 भंडारी तला तदर्थ पनान भंडारी, को इसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 तदर्थ रूप से 1-11-1978 से 29-1-1979 (पूर्वाह्न) तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 17 मार्च 1979

म० डी० पी० एम० 23(2)/77-संस्थापन/8388—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग निम्नलिखित भंडारियों को सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 इस निदेशालय में नियुक्त करते हैं :—

- 1 श्री आर० एन० मौडकर 29-11-78 से 30-12-78
- 2 श्री एन० जी० नाडकर्णी 13-12-78 से 25-1-79 ।

दिनांक 20 मार्च 1979

म० डी० पी० एम०/23(2)/77-संस्थापन/8446—निदेशक, क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० बी० प्रभु सहायक भंडार, अधिकारी केन्द्रीय भंडार यूनिट, को अवकाश स्वीकृति होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी श्री बी० जे० देशपाण्डे, को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 27 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से 31 मई, 1978 अपराह्न तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं ।

बी० जी० कुमकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक 22 मार्च, 1979

म० रा० वि०/भर्ती/(बी)/77/मथल/628—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के एक स्थायी वैयक्तिक सहायक और राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम० अरविन्दाक्षन को इसी परियोजना में ही फरवरी, 1, 1979 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये अस्थायी रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी के ग्रेड (650-960) पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं । श्री अरविन्दाक्षन ने दिनांक 21-12-78 से 31-1-79 तक तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य किया है ।

गोपाल सिंह,

प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

के० पी० जोसफ
प्रणाल्यन अधिकारी

कोटा, दिनांक 20 मार्च, 1979

रं० राण० विप०/01627/1/(437)/प्रशा०/स्वत/508—

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, भाषा परमाणु अनुसंधान केंद्र के स्थायी उच्च श्रेणीवर्षिक तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी, श्री पी० बी० मुन्दरराजन की, 12 मार्च, 1979 को हुई मृत्यु को संवेद घोषणा करते हैं।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1979

सं० ए० 22012/1/78-ई० एम०—राष्ट्रपति, ने सर्वश्री एम० रंजन और चमन लाल को दिनांक 14-2-1979 से तीन माह के लिए अथवा पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर उप निदेशक/नियन्त्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में नियुक्त किया है।

मुरजीत लाल खंडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन
नूतने महानिदेशक नागर विमान

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1979

सं० ए० 32013/9/78-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से छः माह की अवधि के लिये अथवा जब तक रिक्तियां उपलब्ध हैं, जो भी पहले हो, तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है :—

क्रम० सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	स्टेशन जहां तैनात किया गया	कार्यभार संभालने की तारीख
	सर्व श्री :			
1.	टी० आर० शास्त्री, तकनीकी अधिकारी	वै० संचार स्टेशन, बम्बई	वै० संचार स्टेशन, बम्बई	22-1-79 (पूर्वाह्न)
2.	ए० शन्मुखम, तकनीकी अधिकारी	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	31-1-79 (पूर्वाह्न)
3.	के० एन० एम० मणि तकनीकी अधिकारी	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	31-1-79 (पूर्वाह्न)
4.	एम० अरूणदास, तकनीकी अधिकारी	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	वै० संचार स्टेशन, मद्रास	22-1-79 (पूर्वाह्न)
5.	बी० एम० मित्रा, तकनीकी अधिकारी	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक नई दिल्ली	31-1-79 (पूर्वाह्न)

दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 38015/32/77-ई०सी०—मूल नियम 56 (के) के उपबन्धों के अधीन सरकार की सेवा में निवृत्त होने पर श्री पी० एन० युहंता, सहायक संचार अधिकारी, महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय), ने दिनांक 28-2-79 को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

मत्पदेव शर्मा,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1979

सं० ए० 32013/8/78ई I—राष्ट्रपति, ने श्री एच० एम० गुलाटी, उप निदेशक विमान परिवहन को दिनांक 2-3-79 (पूर्वाह्न) से छः माह की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग

में तदर्थ आधार पर निदेशक, विमान मार्ग एवं विमान क्षेत्र (परिचालन) के पद पर नियुक्त किया है।

बी० बी० जौहरी
सहायक निदेशक, प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तनिय

बडौदा, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० 2/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सूरत के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ख' के अधीक्षक श्री एम० एम० दवे वृद्धावस्था पेंशन की प्राप्ति होने पर दिनांक 28-2-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 3/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क' के सहायक अधीक्षक श्री पी० बी० शाणू वृद्धावस्था पेंशन की प्राप्ति होने पर दिनांक 28-2-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 4/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-I के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ख' अधीक्षक श्री के० बी० गुरज्जर, वृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 28-2-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 5/79—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-I के कार्यालय के वर्ग 'ख' अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्री आर० एफ० पटेल, को दिनांक 28-2-79 से स्वैच्छिक आधार पर सेवा निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है क्योंकि उन्होंने 20 वर्षों से अधिक की अर्हक सेवा पूरी कर ली है।

दिनांक 21 मार्च 1979

सं० 1/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1954 के नियम 232-ए के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, नियम 232-ए के उप नियम (2) में बताये अनुसार निम्नलिखित तालिका में उन व्यक्तियों के नाम पते तथा उनसे सम्बन्धित अन्य विवरण प्रकाशित कर रहा हूँ जिन्हें अधिनियम की धारा-9 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा सजा दी गई है :—

तालिका

1. (क) नाम और पता श्री अमोदभाई छगनभाई पटेल 29, किर्ती कुंज सोसायटी, कारेली, बड़ौदा।
- (ख) अधिनियम अथवा नियमों के वे उपबन्ध जिनका उल्लंघन किया गया है। तम्बाकू के 43 बोरे को गैर कानूनी रूप से हटाने और वैध परमिट के बिना तम्बाकू का परिवहन करने तथा तम्बाकू के 106 बोरे की गैरकानूनी रसीद के लिये केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 32, 151, 226।
- (ग) किये गये जुर्माने की राशि जे० एम० एफ० सी० बड़ौदा] द्वारा दि० 18-8-78 को धारा 9 (बीबी) के अन्तर्गत किया गया 1500 रु० का जुर्माना, जिसके अभाव में तीन महीने की साधारण कैद, तथा 9 (बीबीबी) के अन्तर्गत 1500 रु० का जुर्माना जिसके अभाव में तीन महीने की साधारण कैद।
2. (क) नाम और पता : श्री बाबुभाई शनाभाई पटेल घनश्याम टोबेको का, बोरसद, जिला खेड़ा के मालिक एल० 2 सं० 4/73 बोरसद।

(ख) अधिनियम अथवा नियमों शुल्क दिये बिना की तम्बाकू के वे उपबन्ध जिनका उल्लंघन किया गया है। मिट के बिना परिवहन के लिये के उ० शु० नियमावली के नियम 32 (2)।

(ग) किये गये जुर्माने की राशि जे० एम० एफ० सी० बोरसद द्वारा दि० 14-8-78 को, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम, 1944 की धारा 9 (बीबी) के अन्तर्गत किया गया 200/- रु० का जुर्माना जिसके अभाव में, 20 दिनों की कड़ी कैद।

कु० श्री० दिलिप सिंह जी,
समाहर्ता

नई दिल्ली, दिनांक 23 विसम्बर 1978

सं० 30/1978—श्री राकेश कुमार, रसायन सहायक ग्रेड-I केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली-को 12-12-78 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक तबौन सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिलबाग राय गुप्ता,
मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली।
नियुक्ति अधिकारी

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1979

सं० 3—इंडियन रेल सेवा आफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग के निम्नलिखित अधिकारी उनके सामने दी गई तिथियों से रेल सेवा से अन्तिम रूप से निवृत्त हो गये हैं :—

- | | |
|---------------------------|------------------|
| 1. श्री एम० एल० प्रभाकर | 31-5-78 अपराह्न |
| 2. श्री जी० एल० चतुर्वेदी | 30-6-78 अपराह्न |
| 3. श्री जी० एस० सोखी | 31-10-77 अपराह्न |
| 4. श्री कैलाश नाथ | 31-12-78 अपराह्न |
| 5. श्री बी० डी० शर्मा | 31-12-74 अपराह्न |
| 6. रजिन्दर | 19-12-67 अपराह्न |
| 7. श्री जी० एल० गुलाटी | 6-10-67 अपराह्न |

आर० श्रीनिवासन
महाप्रबन्धक

दक्षिण मध्य रेलवे

रेल नियम, कार्मिक शाखा

सकन्दराबाद, दिनांक 17 मार्च 1979

सं० पी० 185/जी ए जेड/एकाउण्ट्स—इस रेलवे के लेखा विभाग में स्थानापन्न पर रहे श्रेणी-II के अधिकारियों को उसी

विभाग में उनके मामले बताई गई तारीख से श्रेणी-II सेवा में स्थाई किया जाता है :—

नाम	स्थाई करने की तारीख
1. श्री एम० बी० मेराणी	8-7-1976
2. श्री के० रमणा	15-6-1977
3. श्री टी० एम० सेतुमाधवराव	10-4-1978
4. श्री पी० अजरया सैमथल	1-7-1978

टी० एम० तोमस
महाप्रबन्धक

सवारी डिब्बा कारखाना

मद्रास-600 038, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० पी० बी०/जीजी/9/विधि/II—11-9-78 को सं० डि० का० के अ० अ० मा० सं० से स्थानान्तरित होकर संयुक्त निदेशक, निरीक्षण (बिजली) श्री के० एम० मांभूमि ने इस प्रशासन में अपर मुख्य बिजली इंजीनियर (वरिष्ठ प्रशासनिक लेवल II) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

2. 18-9-78 को रेलवे बोर्ड से स्थानान्तरित होकर श्री सी० ए० कृष्णमूर्ति, संयुक्त निदेशक रेलवे भंडार (खरीद) ने इस प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तुत की और उन्हें स्थानापन्न उप भंडार नियन्त्रक (कनिष्ठ प्रशासनिक) के रूप में तैनात किया गया।

3. 12-10-78 को श्री एन० राजगोपाल ने इस प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तुत की और उन्हें उपविष्ट मलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी/पद्धति विकास ग्रुप (क० प्र०) के रूप में तैनात किया गया।

4. श्री सी० सुरेन्द्र न, स्थानापन्न जिला भंडार नियंत्रक/शेल (व० वे०) को 18-10-78 से श्रेणी-II सेवा पर पदावत किया गया।

5. श्री के० के० वर्गिस, शाप अधीक्षक, (श्रेणी-III) को 4-11-78 के अपराह्न से स्थानापन्न सहायक उत्पादन इंजीनियर योजना/फर्निशिंग (श्रेणी-II) के रूप में पदोन्नत किया गया।

6. श्री एस० श्रीनिवासन, स्थानापन्न मंडल इंजीनियर (कैरिज व वर्कस) ने पूर्व रेलवे से स्थानान्तरित होकर हम प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तुत की और उन्हें 30-11-78 से स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/योजना/शेल (व० वे०) के रूप में तैनात किया गया।

7. 22-11-78 के अपराह्न को श्री मुहम्मद खाजा मोहिद्दीन, स्थानापन्न सहायक यांत्रिक इंजीनियर/डी० पी०डी० (श्रेणी-II) को जांबिया को 'सेकण्डमेंट' के लिए भारावमुक्त किया गया।

8. मध्य रेलवे से स्थानान्तरित होकर श्री आर० रंगराजन स्थानापन्न कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड अधिकारी ने सवारी डिब्बा कारखाने में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तुत की और उन्हें 29-11-78 से उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (क० प्र०) के रूप में तैनात किया गया।

9. सर्वश्री एच० सी० डी० ऋज, स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/योजना/फर्निशिंग और पी० आर० नारायणन, स्थानापन्न वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/डी० पी०डी० 30-11-78 के अपराह्न को अंतिम रूप से सेवा निवृत्त हुए।

10. श्री एम० राधाकृष्णन, सहायक कर्मशाला प्रबन्धक/असेंबली/फर्निशिंग (श्रेणी II) को 6-12-78 से वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नत करके स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/योजना/फर्निशिंग (व० वे०) के रूप में तैनात किया गया।

11. श्री के० सुब्रमणियन, स्थानापन्न वरिष्ठ बिजली इंजीनियर/टी० एम० आई०/चित्ररंजन कारखाना ने 22-12-78 को हम प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट प्रस्तुत की और उन्हें स्थानापन्न वरिष्ठ बिजली इंजीनियर/पद्धति विकास ग्रुप (व० वे०) के रूप में तैनात किया गया।

आर० रंगराजन
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महाप्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स श्री वासुकी पोद्दी
वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 22 मार्च 1979

सं० 560/2267—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स श्री वासुकी पोद्दी वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कंपनी विघटित हो गई है।

जे० गो० गाथा
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री रंगम्माल सहाय निधि लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) के विषय में

मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1979

सं० 5049/को० लिक्वि०/445/70—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही संख्या 30/1970 में उच्च न्यायालय, मद्रास, की फाइल पर दिये गये दिनांक 10-7-1970 के आदेश द्वारा कम्पनी श्री रंगम्माल, सहाय निधि लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 और अलार्ड अपारेल प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० 24432/560(3) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अलार्ड अपारेल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० आर० सरकार
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० एफ० 48-एडी(एटी) /78-भाग-II—श्री आर० के० चक्रवर्ती, स्थायी सहायक (विधि) वि० न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय, को अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ, जबलपुर में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 7-3-79 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 7-3-1979 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों तक परीक्षाधीन रहेंगे।

पी० डी० माथुर
अध्यक्ष
आयकर अपील अधिकरण

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14क आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/जुलाई-II (37)/564/78-79—अतः मुझे, अंजनी ओजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-22 है तथा जो कैलाश कालौनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27 जुलाई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1—

1. श्रीमती राज रानी चोपड़ा,
विधवा श्री सी० एल० चोपड़ा
- (2) श्री अशोक चोपड़ा, (3) श्री राम चोपड़ा
तथा (4) श्री कृष्ण चोपड़ा, सुपुत्र स्वर्गीय
श्री सी० एल० चोपड़ा,
निवासी 10/55, दरियागंज, दिल्ली।
- (5) श्रीमती नलीनी कपूर, 10/55, दरियागंज,
तथा (6) श्रीमती ज्योति भरारा, पत्नी श्री हरीश भरारा,
424, कल्याण स्ट्रीट, बालवर हैम्पटन,
लन्दन (द्वारा श्रीमती आर० आर० चोपड़ा)।

(अन्तरक)

2. श्री मास्टर विवेक सहगल (नाबालिग) तथा
मास्टर गौतम सहगल (नाबालिग),
सुपुत्र श्री (डा०) अर्जुन देव सहगल,
निवासी बी० 29, कैलाश कालौनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० बी-22 है और क्षेत्रफल 403-7 वर्ग गज है, निवासी कालौनी कैलाश कालौनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: प्लॉट नं० बी०-21।
पश्चिम	: प्लॉट नं० बी०-22 ए।
उत्तर	: रोड
दक्षिण	: प्लॉट नं० बी०-20 ए०।

अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-3-1979।

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मार्च, 1979

निर्देश सं० ए०आर०-I/4015-10/सितम्बर, 78—अतः

मुझे श्री वी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एस० नं० 998 बी० है तथा जो ए० बी० रोड, वरलीडिबी० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) सुमती बाई मरुती राव धन वटे
(2) श्री जीवनलता जयंत धनवटे, (अन्तरक)
2. (1) मेहता कारपेट शो रूम,
(2) और-वो प्रा० लिमिटेड,
(3) मोटर इण्डस्ट्रीज कं० लि०,
(4) जे०एल० मोरीसन सन और जोन्स इण्डिया लि०
(5) टेक्सटाइल कमिटी
(6) ब्राडमा आफ इण्डिया लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1988173/बम्बई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 30-9-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० एस० शेषाद्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई।

तारीख : 29-3-1979।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 26 मार्च 1979

निर्देश सं० ए०-214/गौ०/78-79—अतः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० दाग सं० 27, के० पी० पट्टा सं० 75 है तथा जो न्यू टाउन उल्लूबारी, कामरूप जिला गौहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनील कुमार बरुआ, (2) श्री सुनील कुमार बरुआ, चिड़ियाखाना मार्ग, गौहाटी।

(अन्तरक)

2. श्री कैलाश तेवारी, स्व० बाबु नन्दा तेवारी, लखटो किया, गौहाटी का पुत्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 2 (दो) कट्टा 15 (पन्द्रह) लसा जो न्यू टाउन उल्लूबारी, कामरूप जिला गौहाटी (आसम) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग।

तारीख : 26-3-1979

मोहर :

प्ररूप धार्डि० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 मार्च 1979

सं० ए०-213/गन०/78-79—अन: मुझे राजेन्द्र नाथ
बरा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० के० पी० पी० मं० 646 टाग सं० 1583 है,
तथा जो गौहाटी मौजा नगर, क्षत्रीबारी गौहाटी, असम में स्थित
है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27
जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के बाधित में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती भवानी प्रिय दाम, श्री रामेश्वर दाम,
शान्तीपुर गौहाटी की पत्नी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लिला रानी चक्रवर्ती, श्री कमलेन्दु चक्रवर्ती,
श्रीबारी, गौहाटी की पत्नी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर/सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का माप 2(दो) कठ्ठा जो क्षत्रीबारी गोशाला के
नजदीक खर्गा चौधरी लेन, गौहाटी कामरूप जिला (असम) में
स्थित है ।

राजेन्द्र नाथ बरा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख: 21-3-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मार्च, 1979

सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/78-79/1234—

अतः मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट व मकान है, तथा जो छिन्दवाड़ा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, 4 जुलाई,
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीति:—

1. श्री अरुण कुमार पुत्र श्री भगवान दाम सोनी,
इतवारा, नागपुर।

(अन्तरक)

2. श्री कुंज बिहारी लाल बुबे पुत्र श्री राम रतन लाल बुबे,
विदिशा।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बजूल प्लॉट नं० 17/4 ब्लॉक नं० 1 का भाग माप 22000
वर्ग फुट साथ एक मंजिला मकान नं० 347, वार्ड नं० 8, छिन्दवाड़ा।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल।

तारीख : 3-3-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मार्च, 1979

सं० आई०ए०सी०/ए०बी०/भोपाल/78-79/1235—अतः
मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 45 ए० है, तथा जो इन्डौर में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27
जुलाई, 1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—16GI/79.

1. (1) श्रीमती शशी कुमारी पति श्री हरभजन लाल,
(2) श्रीमती रीता कुमारी पति श्री रमेश कुमार
117, धावण कम्पाउण्ड, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री बद्री लाल पुत्र श्री राम नारायण गुप्ता,
57, जानवरा, कम्पाउण्ड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टाचाराधीन
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 45 ए० स्थित जानवरा कम्पाउण्ड इन्दौर।
जिस का क्षेत्रफल 2671 वर्ग फुट है।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 3-3-1979

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मोतीपन रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी, 1979

सं० के० एन० एल०/13/78-79/—अन: मुझे रवीन्द्र कुमार पठानियाँ, निरीक्षी सहायक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पत्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कोठी रकबा 556 वर्ग गज है तथा जो जरनैली कोठी, करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरिन्द्र सिंह मन्धु पुत्र श्री चन्चल सिंह मन्धु, वकील, निवासी मन्धु हाउस, जरनैली कोठी, करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री जमवन्त लाल निवासी सदर बाजार, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति एक कोठी जिसका रकबा 556 वर्ग गज है और जो कि जरनैली कोठी करनाल में स्थित है और जैसा कि रजिस्कर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3005 तिथि 14-7-1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानियाँ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, रोहतक।

तारीख: 2-2-1979।

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी 1979

सं० के० एन० एल०/14/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानियाँ, निरीक्षी सहायक।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट रकबा 555 वर्ग गज है तथा जो जरनेली कोठी, करनाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्द्र सिंह मन्धु पुत्र श्री चन्चल सिंह मन्धु (वकील)
निवासी मन्धु हाउस, जरनेली कोठी,
करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री गुलशन कुमार पुत्र श्री गायन मल
निवासी सदर बाजार, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके शीघ्रता पत्र के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट रकबा 555 वर्ग गज जोकि जरनेली कोठी करनाल में स्थित है और जो कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के रजिस्ट्री क्रमांक 3007 तिथि 14-7-1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानियाँ

सश्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, रोहतक।

तारीख : 2 फरवरी 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 मार्च, 1979

सं० पी०डब्ल्यू०एस०/1/78-79—अतः मुझे, रवीन्द्र
कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जमकी सं० एक मकान है तथा जो पलवल में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पलवल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
तत्त्व प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों.
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिवनाथ राय माहना
मारफत श्री राजेश माहना
सी०-343, डी० डी० ए०, फ्लैटम
मालवीया नगर, इक्स्टेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री खियाली राम
निवासी पलवल, जिला गुड़गांव।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जो पलवल में स्थित है और जैसे कि रजिस्ट्रेशन
नं० 1997 में दिया गया है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पलवल के
कार्यालय में 27-7-1978 को लिखी गई।

आर० के० पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 26-3-1979।
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

सं० पी०टी०ए०/119/78-79--अन. मुझे, नन्धू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जमका क्षेत्रफल 36 कनाल 19 मरले है
तथा जो गांव घलोड़ी तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे
उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) है, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भागधिम्वर सिंह पुत्र कैप्टन चेत सिंह वासी
कोठी लाल बाग, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह गरेवाल पुत्र श्री गुरदियाल सिंह
वासी : 23-बी०, माडल टाउन, पटियाला ।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री भज्जा सिंह पुत्र श्री हरदित सिंह

(2) श्री हरबन्ध सिंह पुत्र श्री भज्जा सिंह

(3) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र श्री भज्जा सिंह

(4) श्री मुखबन्त सिंह पुत्र श्री भज्जा सिंह

(5) श्री चितबन्त सिंह पुत्र श्री भज्जा सिंह

(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व

(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुब्बा सिंह

माने वासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के तन
लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 36 कनाल 19 मरले है और जो
गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 3063 मितम्बर, 1978 में दर्ज है) ।

नन्धू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1979 ।

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निर्देश सं० पी टी ए/102/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंथा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तावित--

1. श्रीमती कैलाश देवी पुत्री महाराजा भूपिन्दर सिंह द्वारा जनरल अटारनी श्रीमती दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह, कोठी लाल बाग, पटियाला। (अन्तरिती)
2. श्रीमती राजिन्दर कौर पुत्री गोपाल सिंह वासी 23-बी, भाडल टाऊन, पटियाला। (अन्तरिती)
3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरिदत्त सिंह,
(2) श्री हरबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह
(4) श्री मुखबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(5) श्री चितबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(6) श्री हरिन्द्रपाल सिंह व
(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह।
सारे वासी गांव लोड़ी, तहसील पटियाला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 12 मरले है और गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2609, अगस्त, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च, 1979

माहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निर्देश सं० पी टी ए/103/78-79—प्रतः भूमे, नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 18 मरले
है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रकटित :—

1. श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र श्री भैत सिंह वासी कोठी लाल
बाग, पटियाला। (अन्तरक)
2. कैप्टन भजन सिंह पुत्र जीवन सिंह व श्रीमती बलदेव
कौर पुत्री भोला सिंह बागी 72-डी, माडल टाऊन,
पटियाला। (अन्तरिती)
3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदित सिंह,
(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(4) श्री सुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(5) श्री चितबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह
(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
(7) श्री जनिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह
सारे वासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राश्न—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 18 मरले है और जो गांव
घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 2610, अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च, 1979

मोहर :

प्रारूप धारा 10 टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निर्देश सं० पी टी ए/104/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 3 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती कैलाश देवी पुत्री महाराजा भूपिन्दर सिंह द्वारा जनरल अटारनी श्रीमती श्लीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह वामी कोठी लाल बाग, पटियाला। (अन्तरक)

2 श्रीमती रजिन्दर कौर पुत्री गोपाल सिंह पुत्र श्री गुरुमुख सिंह वामी 23-बी, माडल टाऊन, पटियाला। (अन्तरिती)

3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदित सिंह,
(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरुबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(4) मुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(5) श्री चितबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह,
मारे बासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 40 कनाल 3 मरले है और जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2683, अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च 1979

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० पी टी ए/105/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और ज़िम्मेदार सं० भूमि ज़िम्मेदार क्षेत्रफल 38 कनाल 6 मरले है तथा
जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कमी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा :—

4 —16GI/79

1 श्रीमती कृष्णा देवी पुत्री श्री आर० एन० सिंह द्वारा
जनरल अटारनी, श्री भागविन्दर सिंह पुत्र कैप्टन
चेत सिंह बामी कोठी लालबाग, पटियाला।

(अन्तरक)

2 श्री गुरदेव सिंह गरेवाल पुत्र श्री गुरदियाल सिंह वासी
23-बी, माडल टाऊन, पटियाला।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदत्त सिंह,

(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(4) श्री मुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(5) श्री चितबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह ब

(7) श्री जनिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुचा सिंह

सारे वासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 6 मरले है और जो गांव
घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 2714, अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश स० पी टी ए/107/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 19 मरले है तथा जो गांव घलोडी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

- 1 श्रीमती कैलाश देव पुत्री महाराजा भूपिन्दर सिंह द्वारा जनरल अटारनी श्रीमती दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह, वामी कोठी लाल बाग, पटियाला ।
(अन्तरक)

- 2 श्रीमती रजिन्दर कौर पुत्री गोपाल सिंह पुत्र स्व० श्री गुरमुख सिंह वामी 23-बी, माडल टाऊन, पटियाला ।
(अन्तरिती)

3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदित सिंह,
(2) श्री हरबन्ध सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरबन्ध सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(4) श्री मुखबन्ध सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(5) श्री चितबन्ध सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुक्का सिंह, मारे वासी गांव घलोडी, तहसील पटियाला ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 19 मरले है और गांव घलोडी, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2737, अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 मार्च, 1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निर्देश सं० पी टी ए/108/78-79—अतः मुझे नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि म्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 16 मरले
है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशितियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात्:—

1. श्रीमती कृष्णा देवी पुत्री श्री आर० एन० सिंह द्वारा
जनरल अटारनी, श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र कैप्टन
चेत सिंह बासी कोठी लाल बाग, पटियाला।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गुरदेव सिंह गग्गवाल एण्ड कम्पनी, द्वारा श्री गुरदेव
सिंह गग्गवाल, हिस्सेदार, 23-बी, माडल टाऊन,
पटियाला।

(अन्तरिती)

33.(1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदत्त सिंह,

(2) श्री हर्बन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(4) श्री मुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(5) श्री चितबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,

(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व

(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह,

मारे बासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 16 मरले है और जो गांव
घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 2738, अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च, 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० पी टी ए/110/78-79—प्रतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे 'उपा-बद्ध अनुसूची' में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पंजीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला । (अन्तरक)
2. श्री गुरदेव सिंह गरेवाल पुत्र गुरदियाल सिंह वासी 23-बी, माछल टाऊन, पटियाला । (अन्तरिती)
3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र श्री हरदिन सिंह,
(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(4) श्री सुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(5) श्री बितबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुब्बा सिंह, सारे वासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

रजिस्ट्रीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची .

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 18 मरले है और जो गांव घलोड़ी तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2776, अगस्त, 1978 में दर्ज है) ।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 मार्च, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० पी टी ए/111/78-79—अतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव धलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमती कृष्णा देवी पुत्री श्री आर० एन० सिंह द्वारा जनरल अटारनी, श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला।
(अन्तरक)

2 श्रीमती रजिन्दर कौर पुत्री गोपाल सिंह व श्री भजन सिंह पुत्र जीवन बामी 72-डी, माडल टाऊन, पटियाला।
(अन्तरिती)

3 (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र हरदिन सिंह,
(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(4) श्री सुखबन्स सिंह पुत्र गज्जा सिंह,
(5) श्री चित्तबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(6) श्री हरिन्दर पाल सिंह व
(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री मुच्चा सिंह, मारे वासी गांव, तहसील पटियाला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 10 मरले है और जो गांव धलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2777 अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० पी टी ए/112/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 19 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वस्त्र प्रतिगा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वासी कोटी लाल बाग, पटियाला । (अन्तरक)
2. श्री गुरुदेव सिंह गरेवाल पुत्र गुरदियाल सिंह वासी 23-बी, माडल टाऊन, पटियाला । (अन्तरिती)
3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र हरदित सिंह,
(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(4) श्री मुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(5) श्री चितबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री मुच्चा सिंह,
(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री मुच्चा सिंह, मांरे वासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला ।
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल 19 मरले है और जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के बिलेख संख्या 2795 अगस्त, 1978 में दर्ज है) ।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 मार्च, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1979

निवेश सं० PTA/114/78-79—यतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भागविन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वागी कोठी लाल बाग, पटियाला । (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह गरेवाल पुत्र श्री गुरदियाल सिंह गरेवाल, बासी 23-वीं माइन टाऊन, पटियाला । (अन्तरिती)

3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र हरदित सिंह,
(2) श्री हरबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(4) श्री सुखबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(5) श्री चितबन्म सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुब्बा सिंह, सारे बासी गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 14 मरले है और जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विवेक संख्या 2825, अगस्त, 1978 में दर्ज है) ।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० पी टी ए/113/78-79—प्र० मुझे नत्थू राम, घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव घलोडी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनेसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प-तरंग से हुई किसी और की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1 श्रीमति कैलाश देवी पुत्री महाराजा भूपिन्दर सिंह द्वारा जनरल अटार्नी, श्रीमति दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह बामी कोठी लाल बाग, पटियाला । (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति रणजीत कौर पुत्री श्री गोपाल सिंह वासी 23-बी०, माडल टाऊन पटियाला व
(2) श्री जगरूप सिंह पुत्र इन्दर सिंह वासी पातडा । (अन्तरिती)

3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र हरदित सिंह,
(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(4) श्री मुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(5) श्री चित्तबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह, मारे वासी गांव घलोडी, तहसील पटियाला । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 12 मरले है और जो गांव घलोडी, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2796, अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 मार्च, 1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० पीटीए/115/78-79—प्रतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति कृष्णा देवी पुत्री श्री आर० एन० सिंह, द्वारा जनरल अटारनी, श्री भागबिन्दर सिंह पुत्र श्री चेत सिंह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला । (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति रणजीत कौर पुत्री गोपाल सिंह,
(2) श्री जगरूप सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह वासी पटियाला व
(3) श्री जगजीत सिंह व इन्दरजीत सिंह पुत्र भजन सिंह वासी माड़ल टाऊन पटियाला । (अन्तरिती)

3. (1) श्री गज्जा सिंह पुत्र हरवित सिंह,
(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(3) श्री गुरबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(4) श्री सुखबन्स सिंह पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(5) श्री चितबन्स सि पुत्र श्री गज्जा सिंह,
(6) श्री हरिन्दरपाल सिंह व
(7) श्री जतिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री सुब्बा सिंह सारे वासी गव घलोड़ी, तहसील पटियाला । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 कनाल 18 मरले है और जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2827 अगस्त, 1978 में वर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 15 मार्च, 1979

मोहर :

प्रकरण घाई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 मार्च, 1979

निर्देश सं० सीएडी/173/78-79—प्रतः मुझे नत्थू राम,
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3025 सैक्टर, 27-डी०, है
तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चन्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरप्रमाण
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, का अध्याय कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
रहने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरुबक्स सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह व श्रीमति
बनवन्त कौर पत्नी गुरुबक्स सिंह वासी मकान नं०
3025 सैक्टर 27-डी०, चन्डीगढ़ ।
स्थाई पता गांव व डाक खाना जयपुरा तहसील पायल,
जिला लुधियाना । (अन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह मोही पुत्र नरन्जन सिंह मोही वासी
536, सैक्टर 16-डी, चन्डीगढ़ । (अन्तरिती)

3. (1) श्री हरसरन सिंह,
(2) श्री बलवन्त सिंह,
(3) श्री अशोक कुमार,
(4) श्री प्रेम चन्द,
(5) श्रीमति मोहिन्दर कौर
(6) श्री श्याम बहादुर
(7) श्री धर्मपाल, सारे वासी 3025, सैक्टर
27-डी०, चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करना है ।

उक्त संरति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3025, सैक्टर, 27-डी०, चन्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 323, जुलाई, 1978 में दर्ज
है)

नत्थू राम
मक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 मार्च, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० सीएचडी/175/78-79--अतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 78, सेक्टर 18-ए०, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और हमसे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से हम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातु :--

1 श्रीमति ई० भनोट विधवा श्री पी० डी० भनोट, मकान नं० 444, सेक्टर 35 चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति हरबन्स कौर पत्नी श्री एम० एस० भिन्डर मकान नं० 93, सेक्टर 18-ए० चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. श्री ए० एस० नेहरा, अडीसनल एडवोकेट जनरल हरयाणा, मकान नं० 78, सेक्टर 18-ए, चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :--हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 78, सेक्टर 18-ए० चन्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 338, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 मार्च, 1979

साहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1979

निदेश सं० सी एच डी/177/78-79—अतः मुझे नत्थू

राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 7
मरले है तथा चो गांव नजामपुर कुम्बरा, यू० टी० चन्डीगढ़
में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
कीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रत्ना सिंह पुत्र श्री बसावा सिंह वासी गांव
कक्षेरी, यू० टी० चन्डीगढ़ । (अन्तरक)

2. न्यू सेंद्रल दोआबा ट्रस्ट बस कम्पनी (रजि०)
द्वारा श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री भुल्ला सिंह वासी
325, सैक्टर 33-ए०, चन्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 7 मरले है और जो
गांव नजामपुर कुम्बरा, यू० टी०, चन्डीगढ़ में स्थित है ।
(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के विलेख संख्या 350, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च, 1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० चंडीगढ़/178/78व79—अतः मुझे नत्थू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० बूथ साइट नं० 30 जिसका क्षेत्रफल
58.17 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 31-डी, चण्डीगढ़ में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुरजीत सिंह चावला वासी मकान नं० 155,
सैक्टर 20-बी, चण्डीगढ़
(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा भाटिया पत्नी श्री आर० सी०
भाटिया वासी 3162, सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बूथ साइट सं० 30, जिसका क्षेत्रफल 58.17 वर्ग गज है
और जो सैक्टर 31 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 352, जुलाई 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

दिनांक 15 मार्च 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी श्री लोक नाथ मैहता, मोहन मेकन बरैवरीज, सोलन (हि० प्र०)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) 3. अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक, 15 मार्च 1979

निर्देश सं० चंडीगढ़/180/78-79—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 194 (नया नं० 1234), सैक्टर 18-सी है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को जिनमें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 194 (नया नं० 1234) सैक्टर 18-सी, चन्डीगढ़ (जायेबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 361 जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 15 मार्च 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश नं० चंडीगढ़ 183/78-79—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० एस० सी० ओ० साईट नं० 294, जिसका क्षेत्रफल 121 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 35-डी, चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री बेहल सिंह वासी मकान नं० 1212, सैक्टर 34-सी, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कर्नार कौर पत्नी श्री किशन सिंह, श्री जगदीश सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह, श्री हरबिन्दर सिंह पुत्र किशन सिंह, सारे वासी मकान नं० 2064, 15-सी, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) मैट्रल बैंक आफ इंडिया, एस० सी० ओ० नं० 294, सैक्टर 35-डी, चंडीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायेवादा नं० एस० सी० ओ० साईट नं० 294, सैक्टर 35-डी, चंडीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चंडीगढ़) के कार्यालय के धिलेख संख्या 369, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मार्च 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निदेश सं० चंडीगढ़/185/78-79—प्रतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 203, जिसका क्षेत्रफल 1535.12 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 29, चंडीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण भू-पट्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किशन सिंह पुत्र जगत सिंह वासी मकान नं० 3037, सैक्टर 28-डी, चंडीगढ़

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती अनिता कुमारी पत्नी अशोक कुमार,
2. श्रीमती सतोष कुमारी पत्नी श्री जय प्रकाश,
3. श्री दिपक मेहल, माइनर पुत्र श्री जय प्रकाश,
4. श्री जोती मेहल, माइनर पुत्र श्री जय प्रकाश,
5. अमृत कुमार मेहल, माइनर पुत्र श्री अशोक कुमार,
पिता द्वारा सारे वासी मकान नं० 21.7, सैक्टर 28-ए, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 203 जिसका क्षेत्रफल 1535.12 वर्ग गज है जो सैक्टर 29, चंडीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 381, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

दिनांक 15 मार्च 1979

मोहर :

प्रमाण प्रार्थना १०० ए० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निदेश सं० चंडीगढ़/191/78-79—अतः मुझे नत्थू राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव दादो माजरा (चन्डीगढ़) में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-16 GI/79

(1) सर्वश्री मातृ राम व जगबन्त सिंह पुत्र श्री सुदामा, गांव दादोमाजरा (चन्डीगढ़)

(अन्तरक)

(क) श्री गंगा सिंह व दूसरे वार्मा गांव धानम, (चन्डीगढ़)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति 6 अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पुर्यात व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 10 मरले है और जो गांव दादोमाजरा, (चन्डीगढ़) में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विनैस संख्या 415, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मार्च 1978

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

प्राचुर प्रविनिम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० एनबीए/67/78-79—अतः, मुझे, नत्थू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी म० भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल 10 मरने
है तथा जो नाभा नहमीन नाभा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1978 का

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
स्थित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, क्रियान्वे में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री आण प्रमाण पुत्र गदत गोपाल मण्डल जिला
राजनिर्माण वर्क 23-री पोलो नवार्ड लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) 1 श्री कृष्ण जिनंदल पुत्र जगननाथ व

(2) श्री अजय जिनंदल पुत्र श्री कृष्ण जिनंदल पुत्र जगन
नाथ जिनंदल निवास, मनेमा रोड नाभा जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रामाणिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल 10 मरने है और जो नाभा
में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय
के विलेख संख्या 1473, अगस्त 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, अहमदाबाद

तारीख 15-3-1979
माहर

प्रारूप धाई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० 2 एनवीए०/68/78-79—अन: मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिस की सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल 10 मरले है तथा जो नाभा, तहसील नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकरण निम्नलिखित में शासकिक रूप से कबित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को निम्न भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमृत लाल पुत्र श्री मदन गोपाल, बी०-8-276, नया मुहल्ला, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी श्री कृष्ण जिन्दल पुत्र जगन नाथ, श्री रजनीश जिन्दल पुत्र कृष्ण जिन्दल पुत्र जगन नाथ, बासी जिन्दल निवासी, सनेमा रोड, नाभा, जिला पटियाला

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल 10 मरले है और जो नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के धिलेख संख्या 1474, अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश स० डी बी एस/26/78-79—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० भूमि जमका क्षेत्रफल 34 बिघा 16 बिस्वा है तथा जो गांव किशनपुरा, सब-तहसील डेरा बस्सी में स्थित है और इससे आबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हितो आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री दया राम पुत्र श्री गोमाल दाम वासी गांव बूडीआ तहसील जगाधरी

(अन्तरक)

(2) मैमर्ज कुलवीप कुमार डडूजा एण्ड बर्दरज, कोठी न० 1330, सेक्टर 18-सी चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 बिघा 16 बिस्वा है और जो किशनपुरा, सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख सख्या 565, जुलाई, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० एएमएल/74/78-79—अतः मुझे, नरथू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 बिघा 7 बिस्वा है तथा जो गांव नमराली, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी घास का बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से उम्मीद करने या उसमें बचने में सृजिष्ठा के लिए; और/या
- (ख) ऐसा किमी घास या किसी घन या अन्य आगियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) पर्वश्री रतन सिंह, दया सिंह, कुन्दराम सिंह, जमीर सिंह, नौराता सिंह पुत्र श्री श्यामा बामी गांव नमराली, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला ।
(अन्तरक)

- (2) श्रीमती कुशम मारदा पत्नी श्री पवन कुमार शारदा पुत्र शान्ति मरूप मारफल हिमालय आयरन ट्रेडर्स, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के प्रज्ञा के लिए आवश्यकता करना है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञा के सम्बन्ध में कोई भी धावेपः -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 बिघा 7 बिस्वा है और जो गांव नमराली, सब-तहसील अमलोह, में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के बिलेख संख्या 743, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नरथू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 15 मार्च 1979
मोहर :

पक्ष आदि १० ए० ए० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1979

निदेश सं० खरड/1/78-79—अतः सुसे नत्थू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 130, फेज 1, (एम० ए० ए० ए०)
नगर, है तथा जो मुहाली जिला रोपड़ में स्थित है (और
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1978
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य पर दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके
दृश्यमान प्रतिफल से उचित दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरित (अन्तरकी) और सम्पत्ति के (अन्तरितियाँ) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त प्रत्यक्ष निधि में वास्तविक रूप से कायम नहीं
किया गया है - -

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति का भावन, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
का उद्देश्य रखने से संबंधित के लिए; और/या

(ख) एसी किंवा याद तादिसा प्रत्यक्ष आस्तियाँ को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ अन्तरितों
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए
था, छापाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् - -

(1) श्रीमती सरोज कुमारी पत्नी धरमवीर वासी हाथरस
जिला अलीगढ़ (यू० पी०)
(अन्तरक)

(2) श्री के० के० भटनागर, आई० ए० एस०, संयुक्त
डाइरेक्टर, स्थानक सरकार पंजाब, चन्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ कराए हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई
हों, तो:--

(क) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा,

(ख) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के तथा परिभा-
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं०, 130, फेज 1, (एम० ए० ए० ए०) नगर, मुहाली,
जिला रोपड़।

(जावेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड के कार्यालय
के विलेख संख्या 2071, जुलाई, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 लुधियाना।

तारीख : 15-3-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 मार्च 1979

निदेश सं० पटियाला/93/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान व मकान सं० 159-ए/3 व 159/3 है तथा जो धर्मपुरा बाजार, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का-11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री गुरचरन सिंह पुत्र चंचल सिंह वासी ए-212, डिफेंस कलौनी, नई दिल्ली।
2. श्रीमती भूपिन्दर कौर विधवा चंचल सिंह वासी नई दिल्ली।

3. श्री पन्द्रजोरा गट्ट पुत्र श्री चंचल सिंह वासी नई दिल्ली।

4. श्रीमती जगदीश कौर पुत्री चंचल सिंह वासी अम्बाला कैट।

5. श्री जमपाज सिंह जव्वी पुत्र श्री चंचल सिंह वासी बिलासपुर (महाराष्ट्र) द्वारा जनरल अटारनी श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री चंचल सिंह वासी ए-212, डिफेंस कलौनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती भजन कौर पत्नी रीपुदमन सिंह, श्रीमती वृजमोहन कौर पत्नी गुरचरन सिंह, श्रीमती परमजीत कौर पत्नी सरदार सिंह मारे वासी मकान नं० 2 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार, पटियाला। (अन्तरिती)

(3) श्रीमती सरन कौर पत्नी श्री मन्त सिंह वासी 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार, पटियाला। श्री रिपुदमन सिंह पुत्र श्री मन्त सिंह 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार-पटियाला (वासी) व श्री हरनाम सिंह, दुकानदार, वामी 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार, पटियाला। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान व मकान नं० 159-ए/3, धर्मपुरा बाजार, पटियाला (जायेदाद जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2212, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 16 मार्च 1979

मोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-4 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 मार्च 1979

निर्देश सं० चन्डीगढ़/188/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-4
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपर से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट नं० 3334 (पुराना नं० 8) जिसका
क्षेत्रफल 256.70 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 19-डी, चन्डीगढ़
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
जुलाई 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मित
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक कर में कटौत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उगसे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किन्हीं आय या किसी धन या अन्य आम्तियों
को त्रिन्ने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-4 के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-4 की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कुमारी सुरिन्दर कौर, परमिन्दर कौर पुत्रियां
स्व० श्री वाजीर सिंह व श्री जगवीर सिंह पुत्र स्व०
श्री वाजीर सिंह, मारे बासी मकान नं० 8-डी, अशु
बाबू लान, किदारपुर, कलकत्ता-23

(अन्तरक)

(2) श्री देव राज थापर पुत्र स्व० श्री अमृत शाह थापर,
बासी मकान नं० 3048, सैक्टर 27-डी, चन्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3334 (पुराना नं० 8) जिसका क्षेत्रफल 256.70
वर्ग गज है और जो सैक्टर 19-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है व

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्या-
लय के विलेख मख्या 396, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक 21 मार्च 1979
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 मार्च 1979

निदेश सं० चंडीगढ़ 189/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिस की सं० मकान नं० 297, सैक्टर 20-ए है तथा जो
चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक जुलाई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृपाल सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह मारफत
योर स्टूडियो, सैक्टर 22, चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज अग्रवाल पुत्र श्री लोहरी राम अग्रवाल
वासी मकान नं० 297, सैक्टर 20-ए चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोद्विस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 297, सैक्टर 20-ए, चंडीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 403, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 21 मार्च 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 21 मार्च 1979

निदेश सं० लुधियाना /121/78-79—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिस सं० दुकान नं० बी-4-305, जिसका क्षेत्रफल 4831/2 वर्ग गज है तथा जो माराफां बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरिकिशन पुत्र श्री छज्जू राम, वासी बी-4-1823, मुहल्ला नौधरा, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र जै राम, वासी बी-2-2012, शिवपुरी, लुधियाना

(अन्तरिती)

(3) श्री उधो राम, दुकान नं० बी-4-305, माराफां बाजार, लुधियाना

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० बी-4-305, जिसका क्षेत्रफल 4841/2 वर्ग गज है और जो माराफां बाजार, लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या 3067, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक : 21 मार्च 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 24 मार्च 1979

निदेश सं० सी एच डी/172/78-79—अतः मुझे नत्थू
राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 85, सैक्टर 15-ए०, है तथा
जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 श्री रोशन लाल अन्नद पुत्र श्री दुर्गा वाम अन्नद,
वासी 85, सैक्टर 15-ए०, चन्डीगढ़ ।
(अन्तरक)
- 2 श्रीमति हवोनी वाई पत्नी श्री राधा किशन वासी
85, सैक्टर 15-ए०, चन्डीगढ़ ।
(अन्तरिती)

3. (1) श्री राम लाल,
(2) श्री जत्तू राम,
(3) श्री विरिन्दर कुमार,
(4) श्री मेगा सिंह व
(5) श्रीमति मुरिन्दर सेनी, सारे वासी मकान
नं० 85, सैक्टर 15-ए०- चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त समाप्ति के अर्जा के पञ्चम्य में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 85, सैक्टर 15-ए०, चन्डीगढ़ ।

(जायदेद जैमाफि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 319 जुलाई, 1978 में दर्ज
है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 24 मार्च 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 24 मार्च, 1979

निदेश सं० सी एच डी/179/78-79—अन० मुझे नत्थू
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सेमी इंडस्ट्रीअल दुकान नं० सैक्टर
18-डी०, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगजीत चन्द्र शर्मा पुत्र श्री दुर्गा दास शर्मा,
वासी 217, सैक्टर 18-ए०, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति वृज मोहिनी शर्मा पत्नी श्री जगजीत चन्द्र
शर्मा, वासी 217, सैक्टर 18-ए० चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. श्री किशन कुमार वर्मा, एस० सी० एफ० 21
सैक्टर 18-डी०, चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेमी इंडस्ट्रीअल दुकान नं० 9, सैक्टर 18-डी०, चन्डीगढ़
जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 99.08 वर्ग गज है ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 357, जुलाई, 1978 में दर्ज
है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 24 मार्च 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 28 मार्च, 1979

निर्देश सं० सी एच डी/190/78-79—यतः मुझे,

नत्थु राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० नं० 13, सैक्टर 17-ई०, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 69-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति लीला वती बंसल पत्नी श्री आर० डी० बंसल, मकान नं० 1221, सैक्टर 8-सी०, चन्डीगढ़। (अन्तरक)
2. (1) श्री विरसा सिंह भूल्लर पुत्र श्री विशन सिंह भूल्लर,

(2) श्री बलदेव सिंह भूल्लर पुत्र श्री विरसा सिंह भूल्लर,

(3) श्रीमति हरबन्स कौर भूल्लर पत्नी श्री विरसा सिंह भूल्लर मारे वासी गांव फतुवाला, पोस्ट आफिस जोक हरी हर, नहसील व जिला फिरोजपुर। (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स रेमेन्टन रेन्ड आफ इण्डिया लि०, ग्रौन्ड फ्लोर, 13/17-ई० चन्डीगढ़।

(2) श्री विशन दास, परोपराईटर नऊ बी० डी० टेलरज पहिली मंजिल, 13/17-ई०, चन्डीगढ़।

(3) श्री अश्वनी कुमार, परोपराईटर, अशिश टेलरज —ऊपर लिखित

(4) मैसर्स सरटोर मिश्रटीन, —ऊपर लिखित

(5) दी एक्शन, बर्कशाप, सब-डीविजन आई० व वी०, पंजाब, दूसरी मंजिल, 15/17-ई०, चन्डीगढ़।

(6) दी ड्रैक्टर, पंजाबी सेल, भाषा विभाग, पंजाब, तीसरी मंजिल 13/17-ई० चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 13, सैक्टर 17-ई०, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या 411, जुलाई, 1978 में दर्ज है)

नत्थु राम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 28 मार्च, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० 866—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 400 है, तथा जो नरसपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्त, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० सम्बराजु जिन्नूर

(अन्तरक)

2. (1) श्री टी० नवीन मुन्दर

(2) श्री टी० प्रताप मुन्दर नरसापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

सपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नरसपुर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंक 31-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1559/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 14-12-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 23 जनवरी 1979

निर्देश सं० 871—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 112 है, तथा जो चटनई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूजवीड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आर० लक्ष्मी वेंकटरंगाराव चटनई

(अन्तरक)

2. श्री बी० रामाकोटय्या तन्नामूर्ति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूजवीड सब रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंक 31-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1855/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 23-1-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० 874—यत, मुझे, बी० वी० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 162/1 और 201 है, तथा जो काल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उन्डी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एन० रंगाराव,
(2) श्री एन० बाला कृष्णाराव,
(3) श्री एन० गंगाधर राव, काल्ला
(अन्तरक)

2. श्रीमती के० वेंकटा मत्तयवती भीमवरम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1063/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बा राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 31-1-1979

मोहर:

प्रकाश आई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० 875—यतः मुझे, बी० वी० गुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० केतीबाडी है, तथा जो चट्टाई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूजवीडू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जुलाई 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—16G1/79

1. श्रीमती इनुगटी लक्ष्मी वेंकायम्मा चट्टाई

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० मलयवती विजयवाड़ा

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूजनीडू रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंतः 31-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1854/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० गुब्बा राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 31-1-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० 876—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 74 है, तथा जोबोम्बुरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजहमन्ड्री में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री आर० वेंकटासुब्बाराय,
- (2) श्री आर० वेंकटा कृष्ण राव,
- (3) श्री आर० वेंकटा नरसिंहा राव,
- (4) श्री आर० श्रीनिवासा राव, राजहमन्ड्री

(अन्तरक)

2. श्री जी० वेंकटा कृष्ण राजहमन्ड्री

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

D:\...

अनुसूची

राजहमन्ड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 15-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2818/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बी० वी० सुब्बा राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख : 6-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 फरवरी 1979

निर्देश सं० 877—यतः मुझे, बी० वी० मुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 74 है, तथा जो बोम्मूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजहमन्ड्री में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. (1) श्री आर० वेंकटा मुब्बाराव,
(2) श्री आर० वेंकटाकृष्णराव,
(3) श्री आर० वेंकटा नरसिम्हाराव,
(4) श्री आर० श्रीनिवामाराव राजहमन्ड्री
(अन्तरक)

2. श्री जी० पकीरय्या राजहमन्ड्री
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

राजहमन्ड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंतः 15-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2848/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बी० वी० मुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख : 6-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 8 फरवरी 1979

निर्देश सं० 880--यतः, मुझे, बी० बी० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 26-16-28 है, तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माप या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री डी० सांबशिवराव विजयवाड़ा-3

(अन्तरक)

2. (1) श्री सी० एच० पिठ्यन्था,

(2) श्री पी उमा सांबशिव राव,

(3) श्री उन्न वेंकटेश्वर राव विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

3. श्री पायनीर फुट वेर एंजेंसीस विजयवाड़ा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मालोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंतः 31-7-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3499/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० बी० सुब्बा राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 8-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1979

निर्देश सं० 442/एक्रे-3/78-79/कलकत्ता—यतः, मुझे,

भास्कर सेन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, तथा जो मे फेयार रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रु० के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्तार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिका (अन्तरिकतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी याग को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी याग या किसी दान या अन्य नास्तियों का जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भब शंकर दास 11 सुगि लेन, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. मे० आजमेरा इनवैस्टमेंट प्रा० लिमिटेड
(अन्तरिती)

3. मे० ओरियेंटल ट्रेडिंग इन्वैस्टमेंट को० (अग्रण)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 16 कट्ठा 10 छटाक 32 स्क्व० फुट जमीन के साथ उस पर बनाया दो तल्ला मकान और आउटहाउस जो 1, मे फेयार रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 22-1-1979

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती पुष्पिता चौधरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मानसी राय चौधरी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. मै० निर्लेन सिन्धेटिक को०

(वह व्यक्ति अधिभाग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 2 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एस्० एल० 476/टी०आर० 454/सी-407/
कल०-2/78-79—अतः मुझे, आई० मि० एस० जुनेजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3 है, तथा जो ओरियन्ट रोड, कलकत्ता में
स्थित है, (और इसके में उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सियालदह में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-7-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 450 स्क्वायर फुट जमीन जो 3 कट्टा 2 छटांक
जमीन साथ उम पर बनाया दो तल्ला भकान का अंश विशेष और जो
3 ओरियन्ट रोड, कलकत्ता पर अवस्थित। इस अन्तरण सब-
रजिस्ट्रार, सियालदह द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I-4106/
1978 का अनुसर है।

आई० मि० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता-16

तारीख : 2-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 9 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० 56/कल/78-79—यतः मुझे, एस०

के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

और जिमकी सं० 10/1, है तथा जो पोस्ट आफिम रोड, थाना दमदम, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. इमान क्लिफोर्ड टाइरो, गथेन्डोलिन, वियाट्रिम कोथेलहो (अन्तरक)

2. मैमर्स विजितेस फर्मस लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी पश्चात् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अज्ञात के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10/1, पोस्ट आफिम रोड, थाना-दमदम कलकत्ता पर स्थित। 1 बीघा 8 कट्टा जमीन तथा उस पर निर्मित एक मंजिला मकान के सब कुछ जैसे के 1978 का दलिल सं० L-3788 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एम०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० मि०-59/रेंज/कल०/78-79—अतः मुझे
एम० के० दामगुप्ता,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और ज़मीन सं० 7/1 है तथा जो बन बिहारी बोम रोड,
हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27-7-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे समन्वय के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बारम्बार रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० गोपी रंजन सामन्त

(अन्तरक)

2. श्री चन्डी चरण दे, भानिकचन्द दे, रघुनाथ दे तथा
भोला नाथ दे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यगहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रस्ताव के पन्द्रहवें में कोई भी धायें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

7/1, बन बिहारी बोम रोड, हावड़ा, में स्थित 2 कट्टा
4 छटांक स्को० फि० जमीन तथा उस पर निर्मित दो मंजिला
मकान के सब कुछ जैसे के 1978 का दलिल सं० 1203 में
और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एम० के० दामगुप्ता,

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 12 फरवरी, 1979

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० 43/रेंज-II/कल/78-79—अतः मुझे
एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 8-बी है तथा जो आलिपुर रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार
एन्स्युरम कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 5-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्त्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-16GI/79

1. श्री सराज पाल एण्ड बैज नाथ सिंह,
13-ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्री मंगीलाल कागरी
8-बी, आलिपुर रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्याबर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8-बी, आलिपुर रोड, कलकत्ता का तीसरा मंजिल में
एक फ्लैट है। जमीन का परिमाण 2145 स्क्वा० फुट (2145
sq.ft.).

एस० सी० यादव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज 2, कलकत्ता

तारीख : 17-2-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० 44/रेंज-II/कल/78-79—अतः मुझे
 एस० सी० यादव,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
 से अधिक है और जिसकी सं० 8/B, है तथा जो अलिपुर रोड
 कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
 रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार
 आफ एस्पुरेम, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
 16) के अधीन दिनांक 5-7-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
 या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
 लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरज पाल और ब्रजनाथ सिंह,
 13-ए, अलिपुर रोड, कलकत्ता
 (अन्तरक)

2. श्री मांग लाल बागिरि
 8-बी, अलिपुर रोड, कलकत्ता ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

थर्ड फ्लोर, प्रमिसेम नं० 8-बी, अलिपुर रोड, कलकत्ता ।
 माप 2245 स्क्वायर फीट है ।

एस० सी यादव
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 17-2-1979

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० 45/रेंज-II/कल०/78-79—अतः मुझे,
एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है, तथा जो अशोक रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्टेन्स में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-7-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री प्रदीप कुमार गोग्ना,
6, जग मोहन मल्लिक लेन, कलकत्ता-7

(अन्तरक)

2. मै० प्रभुजी भायापार (प्राइवेट) लिमिटेड,
24, आर० एन० कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 4 कट्टा 2 छटांक, 4 स्ववायर फीट, आंशिक
तरफ में नं० 6, अशोक रोड, कलकत्ता-27एस० सी० यादव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्तातारीख : 17 फरवरी, 1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 20 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० /रेंज-I/कल/78-79—अतः मुझे
आई० बी० एस० जुंजे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 78 है तथा जो रफि अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 26-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्षाएँ :—

1. श्री देव प्रसाद गर्ग

(अन्तरक)

2. उडलयन्ड इन्वेस्टमेंट (प्रा० लि०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधी

78, रफि अहमद किदवाई रोड, में अवस्थित, 15 कट्टा
1 छटांक, 17 बर्ग फिट, जमीन पर मकान का 1/4 हिस्सा
जो 26-7-78 तारीख में, रजिस्टर आफ एस्युरेन्स कलकत्ता
के पास में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

आई० बी० एस० जुंजे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 20-2-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
द्वारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी, 1979

निर्देश सं० SI. 478/TR-381/B-338/78-79—अतः

मुझे, आई० वी० एम० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 78 है, तथा जो रफि अहमद किदवाई रोड,
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 25-7-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के सिएतय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रभुरण से हुई किसी सार से वास्तविक उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन द्योतित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्री भूपाल प्रसाद गर्ग, तथा हर प्रसाद गर्ग
(अन्तरक)
2. मै० उदयमन्ट इन्वेस्टमेंट (प्रा०) लि०
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

78 रफिअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता में अवस्थित 15
वर्ग, 1 छटांक, 17 वर्ग फिट, जमीन पर मकान का 1/2 हिस्सा
जो डीड नं० I-3662 अनुसार, 25-7-78 तारीख में रजिस्ट्रार
आफ एस्टेज का पास री स्ट्रीकृत हुआ।

आई० वी० एम० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफि अहमद किदवाई रोड,
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 20-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 446/एके० रंज-III/78-79—अतः मुझे,
भास्कर सेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 35 है तथा जो आहिरिपुर रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपानद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्री देवसदय दत्त और भारतीयदत्त
6/1, गुरुसदय रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. श्री लखी प्रसाद गौर मारिया,
43, ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 20 कट्टा 5 छटांक, 27 स्का० फुट जमीन साथ
स्त्राकारसका अविक्त 1/5 हिस्सा जो 35, आहिरिपुर रोड,
कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफीअहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 450/एकुरे०/78-79/कल०—अतः मुझे
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 35 है, तथा जो आहिरिपुर रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बचाने, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वांछित में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवमदय दत्त और आरती दत्त
6/1, गुम्फदय रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. मोहनलाल गोरगारिया
43, ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अखौदनाखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 20 कट्टा 5 छटांक, 27 स्का० फुट, जमीन साथ
स्त्राकाचारसका अविभक्त 1/5 हिस्सा जो 5, आहिरिपुकुर रोड,
कलकत्ता में अवस्थित है।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रफी अहमद क़िदवई रोड
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख 22-2-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 452/एकुरेण/78-79/कन-I—Tन: मुझे,
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
क स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिनकी सं० 35 है, तथा जो आहिरिपुकुर रोड, कलकत्ता में
स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
र/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. देवसदय दत्त और आरती दत्त
6/1, गुल्मदय रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्री नन्द लाल गौरभारिया
43, ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 20 कट्टा, 5 छटांक 27 स्का० फुट जमीन साथ-
स्ट्राकाचारमका अवभिकन, 1/5 हिस्सा जो 5 आहिरिपुकुर रोड,
कलकत्ता में अवस्थित है।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद क़िदवर्दी रोड, कलकत्ता-16

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 22-2-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 451/एक्यूरे- /78-79/कल०—अन मुझे
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 35 है, तथा जो आहिर्पुपुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाधुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—16GI/79

1. इन्दिरा देव और आरती देव
6/1, गुहमदय रोड, कलकत्ता 1

(अन्तरक)

2. मोहनदास मोर मारिया
43 ये ग्रीड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 20 कट्टा, 5 छटाक, 27 स्क्वो० फुट जमीन साथ
स्ट्राकबारसका आविर्भवन 1/5 हिस्सा जो 35 आहिर्पुपुर रोड,
कलकत्ता में अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 453/एकुरे-III/78-79/कल०—अतः मुझे
भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और ज़िम्की सं० 35 है, तथा जो आहिरिपुकुर रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता म
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्यसे कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

1. देवसदय दत्ता और आरती दत्ता

6/1, गुरुसदय रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता गोरसारिया

43, ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्षेय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

करीब 20 कट्ठा, 5 छटाक 27 स्को० फु० जमीन साथ
स्ट्राकवारसका अवधिकत 1/5 हिस्सा, जो 35 आहिरिपुकुर रोड,
कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफी अहमद किववई रोड कलकत्ता-16

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 456/एक्यूरे-III/78-79/कल०—अतः मुझे भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4 ए, है तथा जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अनामिका बिस्डर्स प्रा० लि०,
20, गणेशचन्द्र एवेन्यु, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2. श्री हनुकुमार दोसी
33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

समुच्चा प्लॉट '4 ए' जो 33 डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 122 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 457/एकुरे-III/78-79/कल०—अनः मुझे
भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 ए है, तथा जो 33, डा० राजेन्द्र
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अनामिका बिल्डर्स प्रा० लि०
20, गणेश चन्द्र एवेन्यु कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्री जसवान्त सिंह चौहान
33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समुच्चा प्लॉट 3 ए जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता पर
अवस्थित।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 22-2-1979

सोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1 सरदार रेशम सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 सरदार कुलबीर सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश स० ए०सी०-60/अर्जन/रेज-IV/कल०/78-79—अतः
मुझे एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो अमरामोना मौजा,
थाना, राणीगंज, जिला बर्धमान में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी
के कार्यालय राणीगंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 31-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक बा म कथित हो किता गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से ई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्लॉट स० 1218, पाजाबी मोड़, राणीगंज, जिला बर्धमान
में स्थित है 5 कट्टा जमीन के सब कुछ जैसा, के 1978 का दलिल
स० 3753 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दास गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख 24-2-1979
मोहर .

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० सी० 61/अर्जन/रेंज-IV/कल०/178-79—
प्रतः मुझे, एम० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो भोजा अमरासोना, थाना रानी गंज, जिला बर्धमान में स्थित है (और इससे [उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है] रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राणीगंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषितः—

1. सरदार रेशम सिंह

(अन्तरक)

2. श्री हरपाल सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 1218, पानाजी मोड़, राणी गंज, जिला बर्धमान में स्थित 5 कट्टा जमीन के सब कुछ जैसे के 1978 का दलिल सं० 3754 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दास गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 24-2-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदवाई रोड़,

अर्जन रेंज- , कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 26 फरवरी 1979

निर्देश सं० 460/एकुरे-III/78-79/कल०—अतः मुझे, भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 474 है तथा जो रवीन्द्र सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में जो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री कालीपद चक्रवर्ती 13, नाथेर बागान स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(भन्तरक)

2. श्री भूपति चन्द्र चन्द्र 136 रवीन्द्र सरनी कलकत्ता टेनान्ट

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्ठा 7 छटाक 34 स्क्वी: फुट जमीन साथ उस पर बनाया तिनतला मकान जो 474, रवीन्द्र सरनी, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
कलकत्ता-16

तारीख: 26-2-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदवई रोड,

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 458/एकुरे-III/78-79/कल:—अतः मुझे,
भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट 4 बी है तथा जो 33, डा० राजेन्द्र रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अनामिका बिल्डर्स प्रा० लिमि० 20 गनेश चन्द्र
एभिन्यु, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्री मुक्त नाल एम० पारेख 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

समुचा प्लेट '4 बी' जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता पर
अवस्थित है।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज -III, कलकत्ता-16

तारीख: 22-2व 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सुदर्शन मुखर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रवीर कुमार घोष

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मार्च 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० एन०-62/अर्जन रेंज-IV/कल/1978-79—यतः
मुझे, एम० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं०... है तथा जो थाना तथा मौजा—उत्तर पाड़ा,
जिला हुगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्दन
नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 27-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

11 कट्ठा 3 छटाक 2 स्को० फिट जमीन तथा एक मंजिला
मकान, थाना तथा मौजा उत्तरपाड़ा, जिला हुगली, जैसे की
1978 का दलिल सं० 1045 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता-16

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11-16GI/79

तारीख : 1-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० ६४०—

1. श्री सुदर्शन मुखार्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्रीमती दन्नावती घोष

(अन्तर्गति)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मार्च 1979

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० ए०मि० 63/अर्जन रेज-IV/कल०/1978-79—

यतः मुझे, एम० के० दाम गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो थाना तथा मौजा उत्तरपाड़ा जिला हुगली में स्थित है, (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्दन नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्रुष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

11 कट्ठा 3 छटाक 2 स्को० फिट जमीन तथा उस पर स्थित मक़बर, थाना तथा मौजा उत्तर पाड़ा, जिला हुगली, जैम के 1978 का दलिल सं० 1046 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दामगुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16

तारीख : 1-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सुदर्शन मुखर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

2. श्री हरिपद घोष

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद कदवई रोड,

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 64 रेज-IV/कल०/1978-79—

यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो मौजा तथा थाना उत्तर पाड़ा जिला हुगली स्थित है (और इसमें उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्दन नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11 कटठा 3 छड़क 2 स्कायरफिट खाली जमीन, मौजा तथा थाना उत्तरपाड़ा, जिला हुगली, जैम के 1978 का दलिल सं० 1047 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV,
कलकत्ता-16

तारीख . 1-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सुदर्शन मुखार्जी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री राधाश्याम धोष ।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

54, रफी अहमद किदवई रोड,

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मार्च 1979

निर्देश सं० ए०सी० 65/रेंज-IV/कल०/1978-79—यतः
मुझे, एस० के० दासगुप्ता

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० है तथा जो मौजा तथा थाना उत्तर पाड़ा,
जिला हुगली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्दन
नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 27-7-1978 को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

11 कट्ठा 3 छटाक 2 स्कायार फिट जमीन तथा स्ट्रक्चर,
मौजा तथा थाना उत्तर पाड़ा, जिला हुगली, जसे के 1978 का
दखिल सं० 1048 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दासगुप्ता,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 1-3-1979

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद क़िदवई रोड,

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, तारीख 1 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 66/रेंज-IV/कल०/1978-79—यत् मुझे, एम० के० दामगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और ज़िम्मेदार सं० है तथा जो मौजा तथा थाना उत्तर पाड़ा जिला हुगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्दन नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुदर्शन मुखार्जी

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल चन्दू घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11 कट्ठा 3 छटाक 2 स्को० फिट खाली जमीन, थाना तथा मौजा उत्तरपाड़ा, जिला हुगली, जैसे के 1978 का दमिल सं० सं० 1049 में और पूर्ण रूप में वर्णित है।

एम० के० दामगुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16।

तारीख : 1-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 67/रेंज-IVकल०/1978-79—यतः

मुझे, एम० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 19 है तथा जो सुरा थार्ड लेन, कलकत्ता-10 में
स्थित है, (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नियन्त्राह में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
5-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री निर्मल वरण भट्टाचार्य

(अन्तरक)

2 श्रीमती सुमरा दे तथा कृष्णा दत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के
सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 19, सुराथर्ड लेन, कलकत्ता-10, प्लेट सं० 49, मि०
आई० टि० स्कीम-IV एम०, थाना बोलयाघाटा के 5 कठा 5 छटाक
5 स्को० फिट खाली जमीन, जैसे के दलील सं० 735 (1978
साल का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दासगुप्ता,

सहायक प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16

तारीख : 5-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद क़िदवई रोड,

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 68/रेज-IV/कल/1978-79—

यतः मुझे, एम० के० दामगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० 188/1 है तथा जो मानिकतला मेन रोड, कलकत्ता में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-7-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्री नक्षमी प्रसाद बारन (अन्तरक)

2 श्री प्रताप चन्द्र पात्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

188/1, मानिकतला मेन रोड, कलकत्ता के 3 कट्टा 12 छटाग खाली जमीन जैमे के 1978 का दलिल सं० 4320 में और पूर्ण रूप में वर्णित है।

एम० के० दाम गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 5-3-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV,

54, रफीग्रहमद किदवई रोड,

कलकत्ता, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 69/रेंज-IV/कल/1978-79---

यतः मुझे, एम० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 240 है तथा जो ब्लाक-ए लेक टाउन में स्थित है (और इसमें उपायक अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-78 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पनचानन मौलिक (अन्तरक)

2. श्री असित कुमार मजुमदार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 240, ब्लाक ए०, लेक टाउन, मौजा—पाति/कुर, जिला 28 परगना के 5 कट्टा 5 छटाक जमीन जैसे कि 1978 का दलिल सं० 3761 में और पूर्ण रूप में वर्णित है।

एम० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 5-3-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद क़िदवई रोड,

अजंन रेंज- , कलकत्ता,

कलकत्ता-16, दिनांक 5 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 70/रेंज-IV/कल/1978-79—

यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खतियान 203 है तथा जो मौजा-सौदपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाराक
पुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 14-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रष्टरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रष्टरक (भ्रष्टरकों) और भ्रष्टरिती
(भ्रष्टरितियों) के बीच ऐसे भ्रष्टरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रष्टरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भ्रष्टरण से हुई किसी भाग की नाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के भ्रष्टरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य भास्त्रियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
भ्रष्टरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
12-16GI/79

1. श्री निधुरंजन मजुमदार (अन्तरक)

2. श्री जीवन कृष्ण साहा तथा श्रीमती रुणु रानी
साहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रष्टन के लिये
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रष्टन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 कट्ठा जमीन तथा उस पर मकान, खतियान सं०
203, वाग सं० 7, मौजा-सौदपुर, पानिहाटि म्यूनिसिपल्टी,
जिला 28 परगणा जैसे कि दलिल सं० 3058 (1978
का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 5-3-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV,

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज/कल०/19—यतः मुझे, एस० के० वासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा देवग्राम है तथा जो शिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कियो प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए,

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री केसर देव सराफ । (अन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार अप्रवाल । (अन्तरिणी)

3. श्री दुर्गा स मिल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुत्सो

करीब 1 बिघा 1.5 कट्टा जमीन जो मौजा देवग्राम शिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग पर अवस्थित और जो दमिल सं० 3459/1978 के अनुसार है ।

एस० के० वास गुप्त,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 6-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

अर्जन रेंज-IV

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेज/कल०/19—यतः मुझे, एस० के० दामगुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मौजा देवग्राम है तथा जो शिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-7-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री केसर देव सराफ। (अन्तरक)
2. श्री निर्मल कुमार अग्रवाल। (अन्तरिती)
3. श्री दुर्गा म मिल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बिघा 1.5 कट्टा जमीन जो मौजा देवग्राम, शिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग पर अवस्थित है और जो दलिल सं० 3458/1978 के अनुसार है।

एम० के० दामगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख : 9-3-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV,

54 रफी अहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 74/रेंज-IV/कल०/1978-79—
यतः, मुझे एस० के० दासगुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट सं० 172 है तथा जो सी० आई०
टी० वी० आई० स्कीम एम, कल०-54 में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-2-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
मैं, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती रंजना मोहनलाल जोशी (अन्तरक)

2. श्री हरनाथ राय अग्रवाला और अन्यान्य
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धार्जेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्राश्रितारी तपास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

करीब 4 कट्ठा 7 छटांक 41 स्वबा० फु० जमीन जो
प्लॉट सं० 17, सी० आई० टी० स्कीम वी० आई० एम,
कलकत्ता-54 पर अवस्थित है और जो दलिल सं० 4178/
1978 के अनुसार है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सत्यनारायन राम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री रामानन्द प्रसाद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किदवाई रोड़,

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेज/कल०/19—यतः मुझे,
एम० के० दामगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा मिलिगुड़ी है तथा जो जिला दार्जिलिंग में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलिगुड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 5 कठ्ठा जमीन जो मौजा मिलिगुड़ी, बर्धड सं० II पर अवस्थित और जो दलिल सं० 4599/1978 के अनुसार है ।

एम० के० दामगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख: 14-3-1979

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

54, रफीग्रहमव किदवई रोड,

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 50/रेंज-II/कल०/1978-79—

यतः मुझे, एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 150/10/7 है तथा जो महात्मा गांधी रोड, नेटाला में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, 24 परगना, अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीपक कुमार राय द्वारा श्री गिरिजा शंकर राय (अन्तरक)

2. श्रीमती लीला रानी चक्रवर्ती, पत्नी श्री जतीश चन्द्र चक्रवर्ती (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा हरिदेवपुर, बेहला में स्थित 3 कट्ठा, 9 छटाक और 40.29 स्के० फीट जमीन तथा एक एक तल्ला मकान।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 12-3-1979

मोहर:

प्रक.आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 76/रेंज-IV/कल०/1978-79—

यतः, मुझे, एम० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा—उत्तरपारा है तथा जो 7/16, लारेंस स्ट्रीट, थाना: उत्तरपारा, जिला हुगली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरामपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-7-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उद्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री निखिल रजन भट्टाचार्य (अन्तरक)

2. श्री अमिताभ बक्सी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब .050 डेसि० जमीन साथ मकान जो 1/16 लारेंस स्ट्रीट, उत्तरपारा, हुगली पर अवस्थित और जो दलिल सं० 2248/1978 का अनुसार है।

एम० के० दास गुप्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 17-3-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. श्री हरिनाथ भट्टाचार्य (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV-कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज/कल०/1978-79— यतः मुझे, एम० के० दासगुप्त

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 56 है तथा जो सिमला रोड़, कलकत्ता-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्तित :—

2. श्रीमती गौरीबाला कुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा, 2 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया 58, भिमला रोड़, कलकत्ता पर अवस्थित है जो दलिल सं० 846/1978 के अनुसार है।

एम० के० दासगुप्त

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV कलकत्ता

तारीख: 17-3-1979

मोहर:

प्रकरण आई टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, III

कलकत्ता, दिनांक 8 मार्च 1979

निर्देश सं० 463/एकु० रें० III/78-79/कल०-

यतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 1/1 है तथा जो रोलांड रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 26-7-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—
13-16GI/79

1. श्रीमती चन्दाबाई मुराईया, 23 थियेटर रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

2. श्री विश्वेश्वर लाल जाह, 26/1जी, प्रमत्त कुमार
टैगोर स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 10 कट्टा 3 छटांक जमीन साथ मकान का
अविभक्त 1/3 हिस्सा सं० 1/1, रोलांड रोड,
कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन
गक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज-III, कलकत्ता

तारीख: 8-3-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद कदवई रोड अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 8 मार्च 1979

निर्देश सं० 462/एकु० रें०-III/78-79/कल०---यतः
मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/1 है तथा जो रोल्फ रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 26-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती चन्दाबाई सुराड्या, 23 थियेटर रोड,
कलकत्ता । (अन्तरक)

2 श्रीमती गीता देवी शाह, 26/1जी, प्रमत्तकुमार टैगोर
रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 10 कठा 3 छटोक जमीन साथ मकान का
अविभक्त 1/3 हिस्सा जो कि सं० 1/1, रोल्फ रोड,
कलकत्ता पर अवस्थित ।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता
कलकत्ता-16

तारीख 8-3-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीअहमद क़िदवई रोड, अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 8 मार्च 1979

निर्देश सं० 461/एकु० रें० III/78-79/कल०—

अतः, मुझे भास्कर सेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और ज़िमकी सं० 1/1 है तथा जो रोलाण्ड रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या सम्पत्तियों,
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :—

1. श्रीमती चन्दाबाई सुराह्या, 23 थियेटर रोड,
कलकत्ता। (अन्तरक)

2. श्री बिमल कुमार शाह, 26/1जी०, प्रसन्न कुमार
टैगोर स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी सम्पत्ति व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 10 कठ्ठा 3 छटाक जमीन साथ मकान का
अविभक्त 1/3 हिस्सा जो सं० 1/1 रोलाण्ड रोड, कलकत्ता
पर अवस्थित।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता
कलकत्ता-16

तारीख : 8-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज II, दिल्ली-1

4/14क आमफ अनी, मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/जुलाई-9/2774/

78-79—अन: मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिनकी सं० दुकान नं० 3442-3447 तथा 3449-3470
है तथा जो फूल मण्डी, हाउज काजी, दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुमूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या क्रिया घन या अगम्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बिहारी लाल भुनभुनवाला,
सुपुत्र स्वर्गीय श्री बिशेश्वर दास,
निवासी दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द जैन, सुपुत्र श्री पी० सी० जैन,
निवासी 1323, गली गुलीयान,
दरीवा कालन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

32 दुकानें जिनका नं० 3442-3447 तथा 3449 से
3470 है और क्षेत्रफल 563 वर्ग गज है, फूल मण्डी, हाउज
काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 3496-3499 तथा जोट
तथा मकान नं० 3880-3891

पश्चिम : मकान नं० 3430-3433 तथा 3435
तथा गली।

उत्तर : मकान नं० 3512-3520 तथा 3428
तथा ब्लिडिंग का गेट

दक्षिण : मकान नं० 3433-3441, 3471-
3475 तथा 3481-3484 तथा सीमा
रास्ता।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 24-3-1979।

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सहायक ग्रेड परीक्षा, 1979

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल, 1979

सं० ए.फ० 10/4/78 ई-1(बी)— भारत के राजपत्र दिनांक 14 अप्रैल, 1979 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दोमपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी, (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्टब्लेयर शिलांग, शिमला, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 25 दिसम्बर, 1979 से एकप्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपयुक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षण में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय मारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबंध, पैरा II)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों पर भर्ती की जाती है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओं/पदों से संबंधित रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) (सहायक) का सामान्य संवर्ग का ग्रेड—IV*
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड (सहायक) 3 (इसमें एक रिक्ति अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है)।
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड—
- (iv) मणस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड— 84 (इसमें 13 रिक्तियां अनुसूचित जातियों तथा 6 रिक्तियां अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- (v) भारत सरकार के ऐसे अन्य विभागों, मंडलों तथा संबद्ध कार्यालयों में सहायकों के पत्र जो भारतीय विदेश सेवा / (ख) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा/ केन्द्रीय सचिवालय सेवा/ मणस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सम्मिलित नहीं हैं—*

*उपयुक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 1 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

*सरकार द्वारा रिक्तियां सूचित नहीं की गई

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र

भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा-6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा उस प्रत्येक सेवा/ पद के लिए अलग अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :—उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में जिन सेवाओं/ पदों के लिए वह विचार किए जाने का इच्छुक है, उसके संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। उसे यह सलाह भी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भर्ती भाति विचार किया जा सके।

उम्मीदवार द्वारा निदिष्ट उन सेवाओं/पदों, जिनके लिए वह प्रतियोगी है, के वरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंधित किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन, प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने

आवेदन-पत्र सहायक ग्रेड परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सहायक ग्रेड परीक्षा, 1979 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से हटकर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाऊस, नई दिल्ली-110011 के पास 4 जून, 1979 को या उससे पहले (4 जून, 1979 पहले की तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में) (8 जून, 1979 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि 4 जून, 1979 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वर्ष 1951 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता, जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे तो, उम्र स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है वह श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है या वह नीचे की परिभाषा के अनुसार सैनिक है।

“भूतपूर्व सैनिक” का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने भूतपूर्व भारतीय रियासतों की मशख्व सेना महित संघ की सशस्त्र सेना (अर्थात् संघ की थल, जल और वायु सेना) में किसी भी रैंक में (चाहे सामरिक हो या असामरिक) 4 जून 1979 के अभिप्रमाणन के बाद कम से कम छह मास की अवधि तक निरंतर सेवा की हो। किन्तु इसमें असम राइफल्स डिफेंस सैक्यूरिटी कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर कोर्स, जम्मू व काश्मीर मिलिशिया, लोक सहायक सेना और सीमांत सेना शामिल नहीं है।

(i) जो निर्मुक्त हुआ हो बशर्ते कि ऐसी निर्मुक्ति दुराचार या अक्षमता के कारण पक्क्युति या सेवा मुक्ति के रूप में न हो या ऐसी निर्मुक्ति के आशय से रिजर्व में स्थानांतरित न हुआ हो; अथवा

(ii) जिसको उपर्युक्त निर्मुक्ति या रिजर्व में स्थानांतरण का पात्र बनने के लिए 4 जून, 1979 की आवश्यक सेवावधि को समाप्त करने में अभी छह मास कम सेवा करनी हो।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग की भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जायेगा।

आर० एस० ग्रहलुवालिया
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन प्रपत्र तथा पावनी कार्ड अपने हाथ में ही भरना चाहिए। अधूरा या गलन भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हो या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हो, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहियें। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है। उनको चाहिए कि वह अपने आवेदन-पत्र को, उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भरकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए।

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नोटिस का पैरा 6 और 7 तथा नीचे दिया गया पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5से० मी० × 7 से० मी०) के फोटों की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां लागू हों वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हों वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत्, भरा हुआ।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (i), (ii), (iii), (v), (vi), में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें परीक्षा के परिणामों की घोषणा के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। परिणाम सम्भवतः मार्च, 1980 में घोषित किये जायेंगे। उम्मीदवारों को अपने प्रमाण-पत्र तैयार रखने चाहिये और परीक्षा परिणाम की घोषणा के बाद शीघ्र ही आयोग को प्रस्तुत कर देने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसका आगे विचार किये जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिये गए हैं:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किये गये भारतीय पोस्टल आर्डर:—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः, रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किये जाएंगे। विकसित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किये गये हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किये गये हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किये गये बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र:—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय के छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्व विद्यालय के यहां से मेट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक परीक्षा प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिये होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आय का पूर्ण प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1.:—जिम उम्मीदवार के पाम पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल ग्राम में सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2.:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाणपत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष/प्रदान की हो। यदि उसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिये बाध्य नहीं होगा।

नोट:—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठे हों जिसमें उत्तीर्ण होने पर वे आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिये शैक्षिक योग्यता प्राप्त कर लेंगे किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और जो उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखते हैं वे आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पत्र नहीं होंगे।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर

चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही के हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii) 3 (iv) 3 (v) और 3 (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये सक्षम प्राधिकारी के रूप में पदनामित किया हो नीचे दिये गये फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो वह प्रमाणपत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*

सुपुत्र/सुपुत्री* श्री

जो गांव/कस्बा*

जिला/

मंडल*

राज्य/

संघ* राज्य क्षेत्र

के/की* निवासी है,

जाति/जनजाति* के/की है/ जिसे निम्नलिखित के अधीन अनु-

सूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां), आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
आदेश, 1951*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र पुनर्गठन अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) में अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1956*।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित

जन जातियां आदेश, 1959। अनुसूचित जातियां और अनु-
सूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976
द्वारा यथा संशोधित।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन
जातियां, आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश)
आदेश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) में अनुसूचित जातियां
आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां,
आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश,
1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* _____

_____ और/या* उनका परिवार आम तौर से
गांव/कस्बा* _____

14-16GI/79

जिला/मंडल* _____

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र _____
में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर _____

**पदनाम _____

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान _____

तारीख _____

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपा काट दें।

नोट :—यहां "आम तौर से रहने/रहती हैं" शब्दों का
अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दि
पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

जाति जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये सक्षम
अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/
डिप्टी कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी
कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/
सिटी मैजिस्ट्रेट/सर्वा डिवाजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक
मैजिस्ट्रेट/एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट
कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट के ओहदे से कम
नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी
मैजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका ओहदा तहसीलदार से
कम न हो।

(iv) उसके इलाके का सब-डिवाजनल अफसर जहां
उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से
रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट
अफसर लक्ष्मीप।

(5) (क) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का
दावा करने वाले लोअर डिवाजन क्लर्क/अपर डिवाजन क्लर्क
स्टेनोग्राफर ग्रेड घ को अपने विभाग कार्यालय के प्रधान से
निम्नलिखित प्रपत्र पर एक प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत
करना चाहिए :—

प्रमाणित किया जाता है कि वे विनांक _____
से _____ के कार्यालय, जो भारत सरकार/
संघ* राज्य क्षेत्र _____

का विभाग/कार्यालय* है, में लोअर डिवाजन क्लर्क/अपर डिवा-
जन क्लर्क/स्टेनोग्राफर ग्रेड घ* के पद पर कार्य कर रहे/रही
हैं और उन्होंने पहली जनवरी, 1979 को लोअर डिवाजन
क्लर्क/अपर डिवाजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर ग्रेड घ* की हैसियत

से लगातार और नियमित सेवा 3 वर्ष से कम नहीं की है और वे इस पद पर कार्य करते रहेंगे/करती रहेंगी।

हस्ताक्षर -----

पदनाम -----

मंत्रालय/विभाग -----

कार्यालय की मुहर -----

*जो लागू न हो उसे काट दे।

(ख) नियम 6(ग) (ii) अथवा 6(ग) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रवजन कर भारत आया है।

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैप कमांडेंट ;
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है,
- (3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट;
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब-डिवीजन का सब डिवीजनल आफिसर;
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निवेशक (पुनर्वास), कलकत्ता ;

(ग) नियम 6(ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है, जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(घ) नियम 6(ग)(vi) अथवा 6(ग)(vii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस

क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(ङ) नियम 6(ग)(viii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से आये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(च) नियम 6(ग)(viii) अथवा 6(ग)(ix) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिये हुए निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट -----

के रैंक नं० -----

श्री----- रक्षा सेवाओं में कार्य करने हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर -----

पदनाम -----

तारीख -----

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(छ) नियम 6 (ग) (x) या 6 (ग) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट -----

रैंक-नं० _____ श्री _____ सीमा
 सुरक्षा दल में कार्य करती हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष
 के दौरान फौजी कार्रवाई में विकसित हुए और उस विक-
 सासन की परिणामस्वरूप निर्मित हुए।

हस्ताक्षर _____

पदनाम _____

तारीख _____

(ज) नियम 6 ग (xii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले व्यक्तिनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिना मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वहाँ व्यक्तिनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और व्यक्तिनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(झ) नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत श्रुत में छूट चाहने वाले भूतपूर्व सैनिक को अपने भूतपूर्व सैनिक होने के परिणाम-स्वरूप, थल-सेना/वायु सेना/नौ-सेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये कार्य-मुक्ति प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। उक्त प्रमाण पत्र में उसके सशस्त्र सेनाओं में की सही तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं में से उसकी निर्मुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की तारीख अथवा सशस्त्र सेनाओं से उसकी निर्मुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की प्रत्यागित तारीख का उल्लेख अवश्य होना चाहिए।

(ञ) नियम 6(घ) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार आंतरिक सुरक्षा अनुसंधान अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उपमंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में वह इलाका आता हो उसके प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत को नियमों के अन्तर्गत गिरफ्तार या कैद हुआ था और जिसमें ये तारीख विनिर्दिष्ट हो जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनैतिक संबंधों या कार्य कलापों या तत्कालीन प्रतिबन्धित संगठनों से उनके संबंध रखने के अनुसरण में थी।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(ख), (ग) तथा (घ) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार श्रुत में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिना अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद-सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के

लिये कि वह निर्धारित श्रुत देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस उम्मीदवार का मामला में पावता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार, द्वारा उसे आवश्यक पावता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरने समय कोई झूठा व्यंग्य न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख अथवा उनकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए/भूठ प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी तिथियों में कोई अशुद्धि अथवा विमंगति हो तो विमंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरंभ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाएं प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहां बिक्री के लिये मिलती हैं और उन्हें उनके यहां से सीधे मेल आर्डर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा उन्हें (i) किताब महल, रिजोनी सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग 'सी०' ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-

110001 (ii) बिक्री केन्द्र, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड़, कलकत्ता-1 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र में संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, सद्य लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएँ तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म की तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो—

(4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में) —

(5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता—
ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ब्योरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार की इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्रों पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पत्रों पर मिल जाया करे। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्योरा के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th March 1979

No. A. 12025(ii)/1/77-Admn.III.—In pursuance of the Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 5/79/77-CS(I) Vol. II dated 26-12-78 and letter No. 5/79/77-CS(I) dated 5-2-1979, the President is pleased to appoint Shri S. K. Arora, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission officiating as Section Officer on *ad hoc* basis, to officiate as Section Officer on temporary basis with effect from 26-12-1978, until further orders, subject to the approval of the Department of Personnel & Administrative Reforms to the dereservation of the reserved vacancy.

2. Shri S. K. Arora has been redesignated as Desk Officer upto 29-2-1980 and will draw a special pay @ Rs. 75/- per month in terms of the Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-1975.

B. N. SOM

Dy. Secy.,

(Incharge of Administration)

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 14th February 1979

No. A. 32014/1/78-Admn. III.—In partial modification of this Office Notification of even number dated 20-1-1979, the President is pleased to appoint Shri R. K. Goyal, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission officiating as Section Officer on *ad hoc* basis and who has been nominated to the Ministry of Commerce on the basis of the Combined Ltd. Departmental Competitive Examination 1977, to officiate as Section Officer on temporary loan basis in the Office of Union Public Service Commission with effect from 23-12-1978 (A.N.), until further orders.

The 15th March 1979

No. P. 1968/Admn. III.—Consequent on his having been selected for appointment to the post of Administrative Officer, on deputation basis, in the All India Soil and Land Use Survey, Ministry of Agriculture & Irrigation, Department of Agriculture, Shri Panna Lal, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, has been relieved of his duties in the cadre of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 15th March, 1979.

No. P/271-Admn. I.—The President is pleased to permit Shri S. P. Chakravarty, a permanent Grade I Officer of CSS and officiating as Officer on Special Duty (Confidential) in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service, after attaining the age of superannuation with effect from 28th February 1979 (AN).

Shri S. P. Chakravarty has however, been re-employed in the post of OSD(Confidential) in the office of the Union Public Service Commission for a period of 6 months with effect from 1-3-1979 beyond superannuation; with the concurrence of the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms, vide their letter No. 39017/18/78-Estt(B) dated 19-1-1979.

The 16th March 1979

No. A. 32013/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of Section Officers of the CSS cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on *ad hoc* basis in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No. Name and Period

1. Shri P. C. Mathur—19-2-79 to 18-5-79.
2. Shri J. P. Goel—1-2-79 to 18-4-79.

S. BALACHANDRAN

Under Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th March 1979

No. S-39/65-AD.V.—Consequent upon his selection for appointment on deputation to the post of Senior Vigilance Officer in the Indian oil Corporation, Shri S. Seshadri, Dy. Supdt. of Police, C.B.I. relinquished charge of the post of Dy. S.P. in C.B.I. on the afternoon of 15-3-1979.

RIPDAMAN SINGH

Administrative Officer (A)

Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 23rd March 1979

No. O. II-1207/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service on attaining the age of superannuation Shri Mohan Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 10th Bn., CRPF, on the afternoon of 28-2-79.

No. O. II-1062/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Narendra Shanker Patil, GDO; Grade-I of Group Centre Hospital CRPF, Neemuch with effect from the afternoon of 30th Sept., 1978.

No. O. II-1432/79-Estt.—The Director General CRPF Force is pleased to appoint Dr. (Miss) Tejovati Lele as Junior Medical Officer in the CRP Force on an *ad hoc* basis with effect from 12-2-79 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 27th March 1979

No. O.II-672/71-Estt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the Cabinet Secretariat, Government of India, Shri M. S. Rathore is appointed as Dy. S. P. (Coy Comdr) in 9 Bn. of this Force with effect from the forenoon of 6th January 1979.

No. O. II-1090/78-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Lt. Col. T. D. SINHA, Chief Medical Officer, Base Hospital-II, CRPF, Hyderabad with effect from the afternoon of 28th February 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 27th March 1979

No. P/P(35)-Ad. I.—In continuation of this office notification of even number dated 20th November, 1978, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri K. N. Pant, Hindi Translator in the Secretariat at Election Commission on India, as Hindi Officer in the office of the Registrar General, India, by transfer on deputation upto 30th June, 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Pant will be at New Delhi.

The above *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Pant any claim to regular appointment to the post of Hindi Officer in this office. The services rendered by him on *ad hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

New Delhi-110011, the 26th March 1979

No. 10/38/78-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 20.1.1979, the Registrar General, India is pleased to extend the period of appointment of Shri Mahesh Ram, Senior Geographer in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Map Analyst in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a further period of six months with effect from 1.3.1979 to 31.8.1979 or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter, on the terms and conditions mentioned in this office notification referred to above. The headquarters of Sri Ram will continue to be at New Delhi.

V. P. PANDEY,
Dy. Registrar General, India.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 23rd March 1979

No. Admn.I/O.O. No. 617/5-5/Promotion/77-79/2618.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri H. N. Mathur a permanent Accounts Officer of this office and officiating as Welfare Officer, will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st March, '79.

No. Admn.I/O.O. No. 618/5-5/Promotion/77-79/2620.—Consequent on their attaining the age of superannuation, the following permanent S.Os & Officiating Accounts Officers of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st March, 1979.

Name & Date of Birth

1. Shri M. M. Mahta—12-3-1921.
2. Shri S. L. Rangar—1-4-1921.

(Sd.) ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA I

Bombay 400020, the 17th March 1979

No. AdmnI/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/2—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S., to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the date mentioned against them, until further orders.

1. Shri C. L. Joshi 12-3-1979 FN.
2. Shri B. D. Bhopale 12-3-1979 FN.

J. CHAUDHURI
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, CENTRAL
RAILWAY

Bombay V.T., the 24th March 1979

No. Au/Admn/Misc/Con 1969.—Shri N. F. Patil, officiating Section Officer (Audit) of this office is promoted as Audit Officer in the officiating capacity with effect from 1-3-79 F.N.

SMT. R. KRISHNAN KUTTY
Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 20th March 1979

No. 23011(1)/66-AN-I.—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian

Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name	Date of confirmation
1	Shri	
1.	S. Sankaran	14-6-1978
2.	K. G. Menon	14-6-1978
3.	S.S. Raghavan	14-6-1978
4.	D.P. Ghosh	14-6-1978
5.	K. Natarajan	14-6-1978
6.	T.M. Kalyanaraman	15-7-1978
7.	A.K. Ghosh	14-6-1978
8.	P.L. Ahuja	14-6-1978
9.	K. Rajagopalan	14-6-1978
10.	K.L. Bhatia	14-6-1978
11.	D. Raghava Rao	15-6-1978
12.	D.R. Vohra	14-6-1978
13.	R. Vijayaraghavan	10-8-1978
14.	P. K. Jain	14-12-1978
15.	Iqbal Chand	3-1-1979

R.L. Bakshi
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 16th March 79 Promotion

No. 5/79/A/E-1(NG)—The D.G.O.F. is pleased to promote the following officers in off capacity without effect on seniority in grades and on dates shown against each :—

1. Shri R. Sundaram	Stenographer	1-3-76
Stenographer Gr. 'B' / Sr. P.A.	Gr. 'A'/P.S. (Group 'B' Gazetted)	
(Group 'B' Gazetted)		
2. Shri Amalendu Chakrabarty,	Stenographer	1-3-76
Stenographer Gr. 'C'/P.A.	Gr. 'B'/Sr. P.A. (Group 'B' Gazetted)	

D.P. CHAKRAVARTI
ADGOF/ADMIN.
For Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 16th March 1979

No. 18/G/79.—The President is pleased to appoint Shri S. Srinivasan, Pt. Dy. General Manager (on deputation at Planning Commission, New Delhi) as Offg. General Manager, Gr. I with effect from 21st June, 1977 until further orders—Under "Next Below Rule".

The 22nd March 1979

No. 20/79/G.—The following amendment is made to this Directorate General Gazette Notification No. 91/78/G, dated 18-12-78 published under No. 2010/A/G, dated 18-12-78 :—

In line 2, under heading "No. 91/78/G".

FOR :—w.e.f. 28-2-78(A/N).

READ :—w.e.f. 28-2-77(A/N).

V. K. MEHTA
Assistant Director General, Ordnance Factories,

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 12th April 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by three points to reach 329 (three hundred and twenty nine) during the month of February, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of February, 1979 works out to 400 (four hundred only).

A. S. BHARADWAI
Jt. Director

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &
COOPERATION

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
& EXPORTS

New Delhi, the 24th March 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/341/56-Admn(G)/2480.—Shri S. Venkatasubramaniam, formerly Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Bhopal, is permitted to retire voluntarily from Government service with effect from the forenoon of the 13th February, 1978, after availing of the leave preparatory to retirement.

RAJINDER SINGH
Dy. Chief Controller of Imports and Exports.
for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 17th March 1979

No. A-19018(401)/79—Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. D. Tckriwal, an officer of Indian Postal Service and Deputy Secretary in the Ministry of Health & Family Welfare, as Joint Development Commissioner, Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, with effect from the forenoon of 17th February, 1979, until further orders.

The 20th March 1979

No. 12(674)/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. L. P. Rao, Deputy Director (Leather/Footwear) Small Industries Service Institute, Hyderabad to officiate as Director (Gr. II) (Leather/Footwear) on *ad-hoc* basis in Small Industries Service Institute, Agra with effect from the forenoon of 28th December, 1978, until further orders.

The 21st March 1979

No. 12(648)/70-Admn.(G).—On reversion from his deputation with the Central Tool Room and Training Centre, Calcutta, Shri S. K. Basu has assumed charge as Asstt. Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Process-cum-Product Development Centre for Ceramic and Glass Industries, Ranchi with effect from the forenoon of the 14th February, 1979.

No. A-19018(198)/75-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri P. P. Kowe, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical), Extension Centre, Attingal, as officiating Deputy Director (Mechanical) in Branch Small Industries Service Institute, Raipur with effect from the forenoon of 14th February, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd March 1979

No. A-1/1(1135)/78.—The President is pleased to appoint Shri Surendra Nath Srivastava, candidate nominated by the Union Public Service Commission on the result of Engineering Services Examination, 1977 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the forenoon of 3-3-79.

No. A-1/1(1136)/78.—The President is pleased to appoint Shri Praveen K. Kancha, candidate nominated by the Union Public Service Commission on the result of Engineering Services Examination, 1977 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the forenoon of 1-3-79.

The 24th March 1979

No. A-1/1(684).—The President is pleased to appoint Shri M. C. Upreti, Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate as Assistant Director (Grade I) in the same Dte. General with effect from the forenoon of 15-1-1979.

2. Shri Upreti will be on probation for two years from 15-1-79 (FN).

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 20th March 1979

No. 4/158/78/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri M. M. Das to a post Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at North East Region, Shillong, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 19th February, 1979, until further orders.

N. R. AICH
Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 24th March 1979

No. 6(138)/63-S.I.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. B. Khare, Transmission Executive, All India Radio, Lucknow as Programme Executive, All India Radio, Bikaner in a temporary capacity with effect from 24th February, 1979 and until further orders.

The 26th March 1979

No. 5(49)/68-S.I.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Arun Roy Chodhury, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Cuttack as Programme Executive, All India Radio, Cuttack in a temporary capacity with effect from 28th February, 1979 and until further orders.

O. B. SHARMA,
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st March 1979

No. A.31014/2/78-CGHSI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following Homoeopathic Physicians working in the Central Government Health Scheme

under the Directorate General of Health Services in a substantive capacity with effect from the date indicated against each :—

S. No.	Name of Doctor	Date of Confirmation
1	2	3
1. Dr. B.C. Roy		1-8-1974
2. Dr. B.P. Mishra		9-2-1977
3. Dr. (Mrs.) Serojini Nigam		9-2-1977
4. Dr. (Miss) Raj Mehra		9-2-1977
5. Dr. N.L. Madria		9-2-1977
6. Dr. B.M. Wadikhaye		22-3-1978

N. N. GHOSH,
Dy. Director Admn. (CGHS)
for Director General of Health Services

Nw Delhi, the 19th March 1979

No. 1-14/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Pranati Nandy in a substantive capacity to the post of Tutor Dietician at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 5th September, 1976.

The 22nd March 1979

No. A.19019/16/76(AIHPH)Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Dr. S. R. Chowdhury relinquished charge of the post of Assistant Professor of Physiological and Industrial Hygiene in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta on the afternoon of the 28th February, 1979.

S. L. KUTHIALA, Dy. Dir Admn. (O&M)

New Delhi, the 19th March 1979

No. A.32014/3/78-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. Nagarajan, Senior Scientific Assistant, Government Medical Store Depot, Madras, to the post of Assistant Factory Manager (Group B Gazetted) in the same Depot with effect from the forenoon of 23-2-1979 purely on temporary basis and until further orders.

The 22nd March 1979

No. A.32015/4/78-SI(Part).—In supersession of this Directorate's notification No. A32015/4/78-SI, dated 20-11-1978, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Laul Senior Technical Assistant, Family Welfare, Sub Depot to the post of Assistant Depot Manager, Family Welfare Sub Depot Group 'B' Gazetted in the Central Government Health Scheme Delhi for a period of one year with effect from 13th January 1978, on an *ad hoc* basis or until further orders.

S. K. KARTHAK, Dy. Dir. Admn (Stores)

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA
(KRISHI VIBHAG)
VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 20th March 1979

No. F.2-1/79-Estt.(I).—The *ad hoc* appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended beyond 6th March 1979 and upto 6th June 1979.

The 23rd March 1979

No. F.2-11/77-Estt.(I).—The appointment of Shri K. K. Sharma in the post of Assistant Administrative Officer is further continued beyond 28th February 1979 upto 30-6-79.

B. N. CHADHA
Dir. of Admn.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad-121001, the 20th March 1979

No. A.31014/4/78-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Government of India is pleased to appoint Shri Ramjeet Verma substantively to the permanent post of Junior Scientific Officer in the Directorate of Marketing & Inspection wef 25-11-78.

B. L. MANIHAR
Dir. of Admn.

Faridabad, the 26th March 1979

No. A-19023/3/79-A.III.—Shri B. B. Sarkar, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Faridabad wef 17-3-79 (FN) on short-term basis for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Sarkar relinquished charge of the post of A.M.O. (Group I) at Faridabad in the forenoon of 17-3-79.

B. L. MANIHAR
Dir. of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 1st March 1979

No. PPED 3(283)/76-Adm./278-2439.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Vasu, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 26, 1979 to the afternoon of April 18, 1979 *vice* Shri B. D. Tambe, Assistant Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II.

P. V. THATTE,
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 7th March 1979

No. DPS/21/1(3)/78-Est/8391.—The Director, Directorate of Purchase and Stores appoints the following Storekeepers to officiate as Assistant Stores Officers in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity in the same Directorate with effect from the dates indicated against each until further orders :—

S. No.	Name	Unit	Date
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	G.R.G. Chowdhary	Stores Unit (DPS), N.F.C., Hyderabad.	26-2-79 FN
2.	R.M. Mondkar	Stores Unit (DPS), N.F.C. Hyderabad	5-2-79 FN
3.	H.R. Dua	Stores Unit (DPS), N.F.C., Hyderabad.	3-1-79 FN
4.	K.C.S. Pillai	Stores Unit (DPS), A.M.O., Rajpandgaon	28-2-79 FN
5.	K.T. Ummar	Stores Unit (DPS), V.E.C., Calcutta	13-2-79 AN
6.	V.N. Dadlani	Stores Unit (DPS), R.A.P.P., Kota.	29-1-79 FN
7.	B. Laxman Rao	Stores Unit (DPS), H.W.P., Talcher	6-2-79 AN
8.	C.H. Balagopalan	Stores Unit (DPS), N.A.P.P. Madras.	23-2-79 FN

K.P. JOSEPH,
Administrative Officer

Bombay-400 001, the 16th March 1979

No. DPS/23(9)/77-Est/8360.—The Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri T. G. Gidwani, temporary Storekeeper and adhoc Chief Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the period from November 1, 1978 (FN) to January 29, 1979 (FN).

The 17th March 1979

No. DPS/23/2/77-Est/8388.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers to officiate as Assistant Stores Officers on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-45-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the periods mentioned against each :—

- 1 Shri R. M. Mondkar, from 29-11-78 to 30-12-78
- 2 Shri N. B. Nadkarni, from 13-12-78 to 25-1-79.

The 20th March 1979

No. DPS/23/2/77-Est./8446.—Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy, appoints Shri V. J. Deshpande, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as temporary Assistant Stores Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate w.e.f. the forenoon of April 27, 1978 to the afternoon of May 31, 1978 *vice* Shri V. B. Prabhu, Assistant Stores Officer, Central Stores Unit, granted leave.

B. G. KULKARNI
Asstt. Personnel Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota the 22nd March 1979

No. RAPP/Rect/7(8)/79S/628.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri

New Delhi, the 22nd March 1979

No. A. 32013/9/78-EC.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till the vacancies are available whichever is earlier w.e.f. the date indicated against each and to post them to station indicated against each :—

S. No.	Name & Designation	Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	
S/Shri				
1.	T.R. Shastri, Technical Officer	Aero Comm. Stn. Bombay	Aero Comm Stn. Bombay	22-1-79 (PN)
2.	A. Shannugham, Technical Officer	Aero Comm. Stn. Madras	Aero. Comm. Stn. Madras.	31-1-79 (PN)
3.	K.N.S. Mani Technical Officer	Aero Comm. Stn., Madras.	Aero. Comm. Stn. Madras.	31-1-79 (FN)
4.	M. Aruldoss, Technical Officer	Aero. Comm Stn. Madras	Aero. Comm. Stn. Madras.	22-1-79 (PN)
5.	V.S. Mitra, Technical Officer	Radio Cons. & Dev. Units, New Delhi.	Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.	3-1-79 (FN)

The 26th March 1979

No. A.38015/32/77-EC.—Shri P. L. Yuhanna, Assistant Communication Officer, D.G.C.A. (IIQ) relinquished charge of office on 28-2-79 (AN) on retirement from Government service under the provisions of FR 56(k).

S. D. SHARMA, Dy Dir. of Admn.

New Delhi, the 16th March 1979

No. A.32013/8/78-E.I.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Gulati, Deputy Director, Air Transport, to the post of Director, Air Routes & Aerodromes (Operations), in the Civil Aviation Department, on an ad-hoc basis, with effect from 2-3-1979 (Forenoon) for a period 15—16GI/79

M. Aravindakshan, a permanent Personal Assistant of Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating as Assistant Personnel Officer on adhoc basis in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650—960) in a temporary capacity in the same Project with effect from the forenoon of 1st February 1979 until further orders. Shri Aravindakshan officiated as Assistant Personnel Officer on adhoc basis from 21-12-78 to 31-1-1979.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

Kota, the 20th March 1979

No. RAPP/04627/1(437)/Admn./S-508.—The Chief Projects Engineer, Rajasthan Atomic Power Projects regrets to announce the death of Shri P. V. Sunderarajan, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating as Assistant Personnel Officer in the Rajasthan Atomic Power Project on 12th March, 1979.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th March 1979

No. A 22012/1/78-ES.—The President is pleased to appoint S/Shri S. Ranjan and Chaman Lal to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection on ad-hoc basis with effect from 14-2-1979 for a period of three months or till the posts are regularly filled whichever is earlier.

S. I. KHANDPUR, Asstt. Dir. Admn.
for Dir. Gnl. of Civil Aviation

of six months, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

V. V. JOHRI
Asstt. Dir. Admn.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 19th March 1979

No. 2/79.—Shri H. M. Kave, Superintendent of Central Excise, Group 'B' working under Assistant Collector of Central Excise Surat has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 28-2-1979.

No 3/79—Shri I V Shah, Superintendent of Central Excise Group A working under Assistant Collector of Central Excise Ahmedabad Dn II has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 28-2-1979

No 4/79—Shri K V Gujar, Superintendent of Central Excise Group-B working under Assistant Collector of Central Excise Ahmedabad I has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 28-2-79

No 5/79—Shri R F Patel, Superintendent of Central Excise Group-B working under Assistant Collector of Central Excise Ahmedabad I has been permitted to proceed on voluntary retirement with effect from 28-2-79 as he had completed more than 20 years qualifying service

The 21st March 1979

No V (Misc)15-15/OA/76/N, 1/79—In exercise of the power vested in me, under Rule 232A of the Central Excise Rules, 1944, I am publishing in the table below names, addresses and other particulars as specified under sub-Rule (2) of Rule 232A of persons who have been convicted by court under Section 9 of the Central Excises & Salt Act, 1944

TABLE

1 (a) Name and address	Shri Pramodbhai Chhaganbhai Patel 29, Kirtikunj Society, Kareh Baug, Baroda
(b) Provision of Act or Rules contravened	Rule 32, 151, 226 of C Ex Rules, 1944 for illicit removal of 43 bags of tobacco and transportation of tobacco without valid permit, illicit receipt of 106 bags of tobacco
(c) Amount of penalty imposed	Under Sec 9(bb) & 9(bbb) fine of Rs 1,500/- and Rs 1,500/- in default 3 months 3 months simple imprisonment awarded by J M F C Baroda on 18-8-78
2 (a) Name and address	Shri Babubhai Shambhai Patel Prop of Ghanshyam Tob Co of Borsad, Distt. Kaira, L 2 No 4/73 of Borsad
(b) Provisions of Act or rules Contravened	Rule 32 (2) of C Ex Rules 1944 for transportation of 151 bags of non-duty paid tobacco without valid permit
(c) Amount of penalty imposed	Under Sec 9(bb) of C Ex & Salt Act, 1944, Fine of Rs 200/- in default 20 days rigorous imprisonment awarded by J M F C Borsad on 14-9-78

K S DILIPINHJI
Collector of Central Excise

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi 110012, the 23rd December 1978

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No 30/1978—Shri Rakesh Kumar Chemical Assistant Gr 1, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi

has been appointed to officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Custom House Laboratory, Bombay with effect from 12-12-1978 (FN) and until further orders

D R GUPTA,
Chief Chemist Central Revenues
Appointing Authority

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 27th January 1979

No 1—The following Officers of IRSMB retired finally from Railway Service from the dates noted against each —

S/Shri

1 M L Prabhakar	31-5-78 AN
2 G L Chaturvedi	30-6-78 AN
3 G S Sakhey	31-10-77 AN
4 Kailash Nuth	31-12-78 AN
5 V D Sharma	31-12-74 AN
6 Rajinder	19-12-67 AN
7 G L Gulati	6-10-67 AN

R S RINIVASAN
General Manager

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 17th March 1979

No P 185/GAZ/Accounts—The following Officiating Class II Officers of Accounts Department of this Railway are confirmed in Class II Service of that Department with effect from the date mentioned against each —

Name	Confirmed with effect from
1	2
1 Sri M V Morani	8-7-1976
2 Sri K. Ramanna	15-6-1977
3 Sri T S Sothimudhava Rao	10-4-1978
4 Sri P Azarath Samuel	1-7-1978

T M THOMAS
General Manager

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras 600 038, the 20th March 1979

No PB G/G/9/Misc/II—On transfer from RDSO at ICF Sri K S Sambamurthy, Joint Director, Inspection (Electrical), assumed charge as Addl Chief Electrical Engineer (SA level II) with effect from 11-9-78

2 On transfer from Railway Board, Sri C A Krishna-murthy, Joint Director Railway Stores(P) has reported for duty on 18-9-78 and posted as Offg Dy Controller of Stores (JA)

3 Sri N Rajagopalan reported to this administration on 12-10-78 and posted as Dy Financial Adviser and Chief Accounts Officer/System Development group (JA)

4 Sri C Surendran, Offg District Controller of Stores/Shell(SS) has been reverted to Class II service from 18-10-78

5 Sri K K Veighese, Shop Superintendent, (Class III) is promoted to officiate as Off API/PI/I/(Class II) with effect from 4-11-78 AN.

6 Sri S Srinivasan, Offg Divisional Engineer (C&W) on transfer from Eastern Railway reported for duty on ICF and posted as Offg Production Engineer/PI/Shell (SS) from 30-11-78

7. Sri Md. Khaja Mohideen, Offg. Asstt. Mechanical Engineer/DPD (Class II) has been relieved on 22-11-78 AN for Secondment to Zambia.

8. On transfer from Central Railway Sri R. Rangarajan, Offg. Junior Administrative Grade Officer, has reported for duty on I.C.F. and posted as Dy. Chief Personnel Officer (J.A.) from 29-11-78.

9. Sarva Sri H. C. D'Cruz, Officiating PE/PL/F and P. R. Narayanan, Offg. SMF/DPD have retired finally from Service on the AN of 30-11-78.

10. Sri S. Radhakrishnan, Offg. Asstt. Works Manager/A/F (Class II) is promoted to Senior Scale and Posted as Offg. Production Engineer/PL/F/(SS) from 6-12-78.

11. Sri K. Subramanian, Offg. Senior Electrical Engineer/TMI/CLW has reported to this administration on 22-12-78 and posted as Offg. Senior Electrical Engineer/System Development Group(SS).

R. RANGARAJAN, Dy. Chief Pnl Officer
for General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shree Vasuki Pottery Works Pvt. Ltd. Ahmedabad

Ahmedabad, the 22nd March 1979

No. 2267/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Shree Vasuki Pottery Works Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. V. VATHA
Registrar of Companies
Gujarat

*In the matter of the Companies Act 1956
and*

*"Sri Rangammal Sahaya Nidhi Limited
(In Liquidation)"*

(See 445 of the Companies Act 1956)

Madras, the 23rd March 1979

No. 5049/C.Liqu/445/70.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 10-7-1970 passed in C.P. No. 36 of 1970 the company "Sri Rangammal Sahaya Nidhi Limited" was wound up.

Sd./- ELLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies, Tamilnadu

In the matter of the Companies Act 1956 and of Allied Apparel Private Limited

Calcutta, the 26th March 1979

No. 24432/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Allied Apparel Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 20th March 1979

No. F.48-Ad(AT)/78.P.II.—Shri R. K. Chakravorty, a permanent Assistant (Legal) in the Ministry of Law, Justice & Company Affairs is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jabalpur Bench, Jabalpur in a temporary capacity with effect from 7-3-1979 (Forenoon) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 7-3-1979 (Forenoon).

P. D. MATHUR, President
Income-tax Appellate Tribunal

CORRIGENDUM

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-
TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 30th March 1979

F. No. CHD/91/76-77.—

In the Notification No. CHD/91/76-77 dated 29th September, 1977 published at page 4692 of the Gazette of India, Part III—Section 1 New Delhi dated 15th October, 1977 in respect of property purchased by Smt. Chander Kanta Kapoor and Shri Virender Kumar Kapoor, R/o 781, Sector 22-A, Chandigarh, the following may be inserted against serial No. 3 (persons in occupation of the property) and against Sr. No. 4 (person whom the undersigned knows to be interested in the property) :—

S. No. 3.

Shri O. P. Sharma,
H. No. 743, Sector 22-A,
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

S. No. 4.

The Manager,
Allahabad Bank
15-Madhya Marg,
Chandigarh.

(Person interested in the property)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Ludhiana

Ludhiana, the 2nd April 1979

F. No. CHD/206/73-74.—

In the Notice under section 269D(T) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), No. CHD/206/73-74 dated 11-10-1973 published at page 4907 of the Gazette of India, Part-III, Section 1, New Delhi dated 20th October, 1973, the name of the transferee "Smt. Mahdeep Kaur w/o Shri Sangram Singh Airta" shall be read as "Smt. Mahdeep Kaur w/o Shri Sangram Singh Airta."

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th March 1979

Ref. No. IAC. Acq. I/SR-III/July-II(37)/78-79/564.—
Whereas, I, Miss ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

B-22, situated at Kailash Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 27-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Raj Rani Chopra,
W/o Shri C. L. Chopra,
2. Shri Ashok Chopra,
3. Shri Ram Chopra and
4. Shri Krishan Chopra
S/o late Shri C. L. Chopra,
R/o 10/55, Darya Ganj, Delhi,
5. Smt. Nalini Kapoor,
10 55, Darya Ganj, and
6. Smt. Jyoti Bharara,
W/o Shri Harish Bharara,
424, Canaux Street, Valvut Hampton, London.
C/o Smt. R. R. Chopra
(Transferor)
- (2) Master Vivek Sehgal (Minor) and
Master Gautam Sehgal (Minor),
S/o Shri (Dr.) Arjun Dev Sehgal,
R/o B-29 Kailash Colony, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. B-22, measuring
403.7 sq. yard situated in Kailash Colony, New Delhi and
bounded as under :—

East : Plot No. B-21
West : Plot No. B-22-A
North : Road
South : Plot No. B-20A

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 30-3-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 29th March 1979

Ref. No. AR-14015-10/Sep. 78.—Whereas I, V. S. SESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 98 B of Worli Divn. situated at Dr. AB Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-9-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sumatibai Marutirao Dhanwantey. (Transferor)
- (2) Smt. Jivanlata Jayant Dhanwatey. (Transferee)
- (3) (a) Mehta Carpet Show Room
(b) OR-WO Pvt. Ltd.
(c) Motor Industries Co. Ltd.
(d) J.L. Morison Son & Jones India Ltd.
(e) Textiles Committee
(f) Bradma of India Ltd.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As mentioned in the Registered Deed No. 1988/73/Bom. and as Registered on 30-9-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 27th March 1979

Ref. No. A-214/Gau/78-79 -Whereas J. R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag Nög 27, K. P. Patta No. 75 situated at New Town Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 21-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Anil Kumar Barua,
2 Shri Sunil Kumar Barua,
Zoo Road, Gauhati

(Transferor)

- (2) Shri Kausal Tewary
S/o Late Babunanda Tewary,
Lakhtokiu, Gauhati

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 2(two) Katha 15 (fifteen) Lacha situated at New Town Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup, Assam

R. N. BARA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date 23-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 27th March 1979

Ref. No. A-213/Gau/78-79—Whereas, I. R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K.P.P. No. 646, Dag No. 1583 situated at Mouza Gauhati, Chatubari Nagar, Gauhati, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gauhati on 27-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhavani Priya Das,
W/o Shri Rameshwar Das,
Santipur, Gauhati

(Transferor)

(2) Smt. Lila Rani Chakrabarty,
W/o Shri Kamalendu Chakrabarty,
Chatubari, Gauhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2(two) Katha situated at Kharga Chaudhury lane near Goshala of Chatubari, Gauhati in the district of Kamrup (Assam).

R. N. BARA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 23-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Arun Kumar S/o Bhagwandas Soni,
Itwari, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kunjbeharilal Dubey
S/o Shri Ramratanlal Dubey,
Vidisha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd March 1979

Ref. No. IAC/ACQ BPL/1234/78-79. --Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot and House situated at Chhindwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhindwara 4th July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Nazul Plot No. 17/4, Block No. 1, Chhindwara measuring 22000 sft. with house single storeyed No. 347, Ward No. 8.

B. L. RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 3-3-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1 Smt. Shashikumari W/o Haribhajanlal,
2 Smt. Ritakumari W/o Rameshkumar,
117, Jaora Compound, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri. Badrital S/o Ramnarayan Gupta,
57 Jaora Compound Indore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPI 1235/78-79 —Whereas, I,
B. L. RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. 45-A situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Indore on 27-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

One plot No. 45-A situated at Jaora Compound, Indore
consisting of an area of 2691 sq ft

B. L. RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
16—16GI/79

Date : 3-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1979

Ref. No. KNL/13/78-79.—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania,

(being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi with land area 556 Sq. yards situated at Jarnaily Kothi Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Swinder Singh Sandhu
S/o Shri Chanchal Singh Sandhu, Advocate
R/o Sandhu House, Jarnaily Kothi,
Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal s/o Shri Jaswant Lal,
R/o Sadar Bazar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property comprising of a kothi with land area 556 sq yds. situated at Jarnaily kothi, Karnal and as mentioned in the sale deed registered at No. 3005 dated 14-7-1978 with the Sub-Registrar, Karnal.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 2-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1979

Ref No KNL/14/78 79—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Plot measuring 555 sq yards,
situated at Jainaily Kothi Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Singh Sandhu
S/o Shri Chanchal Singh Sandhu, Advocate
R/o Sandhu House, Jainaily Kothi,
Karnal

(Transferee)

(2) Shri Gulshan Kumar s/o Shri Sawan Mal,
R/o Sadar Bazar, Karnal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 555 sq yds situated at Jainaily kothi, Karnal and is mentioned in the sale deed registered at No 3007 dated 14 7 1978 with the Sub-Registrar, Karnal

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 26th March 1979

Ref. No. PWL/1/78-79.—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One house situated at Palwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palwal in July, 1978 for an apparent consideration which is less than than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shiv Nath Rai Mahna
C/o Shri Rajesh Mehna,
C-343, DDA Flats,
Malvia Nagar Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Girdhari Lal s/o Shri Khari Ram,
R/o Palwal Distt. Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated at Palwal and as described in sale deed Registration No. 1997 dated 27-7-1978, Registered in the office of the Registering Authority, Palwal.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 26-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagwinder Singh
S/o Capt Chet Singh,
R/o Kothi Lal Bagh Patiala

(Transferor)

(2) Shri Gurdex Singh Grewal
S/o Shri Gurdial Singh
1/o 23 B Model Town Patiala

(Transferee)

(3) 1 Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2 Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3 Shri Guibans Singh s/o Shri Gajja Singh
4 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5 Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6 Shri Harinderpal Singh and
7 Shri Jatinderpal Singh
Shri Jatinderpal Singh
Ss/o Shri Sucha Singh

All 1 o Village Galhori, Teh Patiala
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 15th March 1979

Ref No PTA 119/78-79—Whereas I NATHU RAM
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/
and bearing No

Agri Land measuring 36 kanals 19 maulas
situated at village Galhori Tehsil Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Patiala in September 1978

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under subsec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely —

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (i) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 kanals 19 maulas situated
village Galhori Tehsil Patiala

The property as mentioned in the Registered Deed No
3063 of 1st September 1978 of the Registering Officer
Patiala)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date 15th March 1979
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref No PTA/102/78 79—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Land measuring 39 kanals 12 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

- (1) Smt Kailash Devi d/o Maharaja Bhupinder Singh through General Attorney Smt Dalip Kaur Wd/o Maharaja Bhupinder Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patiala (Transferor)
- (2) Smt Rajinder Kaur d/o Shri Gopal Singh R/o 23-B, Model Town, Patiala (Transferee)
- (3) 1 Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2 Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5 Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6 Shri Harinderpal Singh and
7 Shri Jatinderpal Singh
Ss/o Shri Sucha Singh
All 1/o Village Galhori, Teh Patiala
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals 12 marlas situated at village Galhori Teh Patiala

(The property as mentioned in the Registered Deed No 2609 of August 1978 of the Registering Officer, Patiala)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/103/78-79—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 20 kanals 18 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwinder Singh s/o Shri Chet Singh
R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.
(Transferor)
- (2) Capt. Bhajan Singh s/o Shri Jiwan Singh and
Smt. Baldev Kaur d/o Shri Bhola Singh
R/o 72 D. Model Town, Patiala.
(Transferee)
- (3) 1 Shri Gajja Singh s/o Shri Haidit Singh
2 Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5 Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6 Shri Harinderpal Singh and
7 Shri Jatinderpal Singh
s/o Shri Sucha Singh
All 1/o Village Galhori, Teh. Patiala,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 kanals 18 marlas situated at Village Galhori, Teh. Patiala

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2610 of August 1978 of the Registering Officer, Patiala)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/104/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Land measuring 40 kanals 3 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Kaulash Devi d/o Maharaja Bhupinder Singh through General Attorney Smt. Dalip Kaur Wd/o Maharaja Bhupinder Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patiala. (Transferor)
- (2) Smt. Rajinder Kaur d/o Gopal Singh S/o Gurmukh Singh R/o 23-B Model Town, Patiala. (Transferee)
- (3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6. Shri Harinderpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh
Ss/o Shri Sucha Singh
All r/o Village Galhori, Teh. Patiala.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 kanals 3 marlas situated at Village Galhori Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2683 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/105/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 38 kanals 6 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

17—16GI/79

(1) Smt. Krishna Devi d/o Shri R. N. Singh through General Attorney Shri Bbagwinder Singh S/o Capt Chet Singh R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh Grewal s/o Shri Gurdial Singh R/o 23-B Model Town, Patiala.

(Transferee)

(3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5. Sri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
6. Shri Harinderpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh
Shri Jatinderpal Singh
Ss/o Shri Sucha Singh
All r/o Village Galhori, Teh. Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 38 kanals 6 marlas situated at Village Galhori Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2714 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979

Seal

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref No PTA/107/78-79—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the **Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)**, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land measuring 39 kanals 19 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Karlish Devi d/o Maharaja Bhupinder Singh through General Attorney Smt Dalip Kaur
Wd/o Maharaja Bhupinder Singh
R/o Kothi Lal Bagh, Patiala
(Transferee)
- (2) Smt Rajinder Kaur d/o Gopal Singh
S/o Late Gurmukh Singh
R/o 23-B, Model Town, Patiala.
(Transferee)
- (3) 1 Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2 Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5 Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6 Shri Harinderpal Singh and
7 Shri Jatinderpal Singh
Ss/o Shri Sucha Singh
All r/o Village Galhori, Teh. Patiala
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals 19 marlas situated at Village Galhori, Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2737 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15th March 1979
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref/ No PTA/108/78 79—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Land measuring 38 kanals 16 marlas situated at village Galhori Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Smt Krishna Devi d/o Shri R N Singh
Through General Attorney Shri Ghagwinder Singh
S/o Capt Chet Singh
R/o Kothi Lal Bagh Patiala
(Transferor)
- (2) M/s Gundeve Singh Grewal & Co Patiala
Through S Gundeve Singh, Partner
23-B Model Town Patiala
(Transferee)
- (3) 1 Shri Gajja Singh s/o Shri Haidit Singh
2 Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5 Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6 Shri Harinderpal Singh and
7 Shri Jatinderpal Singh
S/o Shri Sucha Singh
All s/o Village Galhori, Teh Patiala
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 38 kanals 16 marlas situated at village Galhori, Teh Patiala
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2738 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/110/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 31 kanals 18 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Bhagwinder Singh s/o Shri Chet Singh
R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Gurdev Singh Grewal s/o Shri Gurdial Singh
R/o 23-B Model Town, Patiala.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6. Shri Harinderpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh
Ss/o Shri Sucha Singh
All r/o Village Galhori, Teh. Patiala.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 kanals 18 marlas, situated at village Galhori, Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2776 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/111/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land measuring 28 kanals 10 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Krishna Devi d/o Shri R. N. Singh
Through General Attorney Shri Bhagwinder Singh
S/o Shri Chet Singh
R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Rajinder Kaur d/o Gopal Singh and
Sardar Bhajan Singh s/o Jiwan Singh
R/o 72-D, Model Town, Patiala.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6. Shri Haundarpal Singh and
7. Shri Jatindarpal Singh
Ss/o Shri Sucha Singh

All t/o Village Galhori, Teh. Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 kanals 10 marlas situated at Village Galhori Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2777 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date . 15th March 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/112/78-79—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 24 kanals 19 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwinder Singh s/o Capt Chet Singh
R/o Kothi Tal Bagh, Patiala
(Transferor)
- (2) Shri Gurdev Singh Grewal s/o Gurdial Singh
R/o 23 B Model Town, Patiala
(Transferee)
- (3) 1 Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2 Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3 Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4 Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5 Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6 Shri Harinderpal Singh and
7 Shri Jatinderpal Singh
S/o Shri Sucha Singh
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 kanals 19 marlas situated at Village Galhori, Tehsil Patiala

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2795 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/114/78-79.—Whereas, J. NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 39 kanals 14 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwinder Singh s/o Shri Chet Singh,
R/o Kothi Lal Bagh, Patiala. (Transferor)
- (2) S. Gudev Singh Grewal s/o Gurdial Singh Grewal
R/o 23-B Model Town, Patiala. (Transferee)
- (3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6. Shri Harinderpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh
Ss/o Shri Sucha Singh
All r/o Village Galhori, Teh. Patiala.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals 14 marlas situated in Village Galhori Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2825 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/113/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 39 kanals 12 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kailash Devi d/o Maharaj Bhupinder Singh Through General Attorney Smt. Dalip Kaur Wd/o Maharaja Bhupinder Singh, R/o Kothi Lal Bagh, Patiala. (Transferor)
- (2) Smt. Ranjeet Kaur d/o Shri Gopal Singh R/o 23-B Model Town, Patiala, and Shri Jagrup Singh s/o Shri Inder Singh R/o Patara. (Transferee)
- (3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5. Shri Chitwant Singh s/o Shri Gajja Singh
6. Shri Harinderpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh S/o Shri Sucha Singh All r/o Village Galhori, Teh. Patiala. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals 12 marlas at Village Galhori, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2796 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/115/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 23 kanals 18 marlas situated at village Galhori, Tehsil Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—16GI/79

(1) Smt. Krishna Devi d/o Shri R. N. Singh
Through General Attorney Shri Bhagwinder Singh
S/o Chet Singh
R/o Kothi Lal Bagh, Patiala.
(Transferor)

(2) 1. Smt. Ranjeet Kaur d/o Shri Gopal Singh,
2. Shri Jagrup Singh s/o Shri Inder Singh
R/o Patiala
3. S/Shri Jagjit Singh, Inder jeet Singh
Ss/o Shri Bhajan Singh,
R/o Model Town, Patiala.
R/o 23-B Model Town, Patiala.
(Transferee)

(3) 1. Shri Gajja Singh s/o Shri Hardit Singh
2. Shri Harbans Singh s/o Shri Gajja Singh
3. Shri Gurbans Singh s/o Shri Gajja Singh
4. Shri Sukhbans Singh s/o Shri Gajja Singh
5. Shri Chitwant Singh s/ Shri Gajja Singh
6. Shri Harinderpal Singh and
7. Shri Jatinderpal Singh
Ss/o Shri Sucha Singh
All r/o Village Galhori, Teh. Patiala.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23 kanals 18 Marlas situated at Village Galhori, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2827 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/173/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House property No. 3025, Sector 27-D, Chandigarh, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Gurbax Singh s/o Shri Hazara Singh
2. Smt. Balwant Kaur w/o Shri Gurbax Singh
R/o H. No. 3025, Sector 27-D, Chandigarh
Permanent resident of V. & P.O. Jaipura,
Tehsil Payal, Distt. Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh Sodhi s/o
Shri Naranjan Singh Sodhi
R/o 537, Sector 16-D, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Shri Harsaran Singh
2. Shri Balwant Singh
3. Shri Ashok Kumar
4. Shri Prem Chand
5. Smt. Mohinder Kaur
6. Shri Shyam Bahadur
7. Shri Dharam Pal
All r/o H. No. 3025, Sector 27-D,
Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 3025, Sector 27-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 323 of July 1978).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/175/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Single Storey Residential House No. 78, Sector 18-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Mrs. E. Bhanot wd/o Shri P. D. Bhanot,
House No. 444, Sector 35, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Smt. Harbans Kaur w/o Shri M. S. Bhinder,
House No. 93, Sector 18-A, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Shri A. S. Nehra,
Additional Advocate General, Haryana,
House No. 78, Sector 18- Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey residential house No. 78, Sector 18-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 338 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref No CHD/177/78-79—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and being No Agricultural land measuring 15 kanals 7 marlas situated at Village Nazampur Kumbra, U T, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ralla Singh s/o Shri Basawa Singh,
R/o Village Kajheri, U T, Chandigarh
(Transferor)
- (2) New Central Doaba Tourist Bus Co (Regd),
Chandigarh, through Shri Mohinder Singh
S/o Bhulla Singh,
R/o 325 Sector 33-A Chandigarh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 7 marlas situated in Village Nazampur Kumbra, U T, Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered Deed No 350 of July 1978 of the Registering Officer, Chandigarh)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15th March 1979
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/178/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Booth site No. 30, Sector 31-D, Chandigarh measuring 58.17 Sq. yds. situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surjit Singh Chawla,
R/o H. No. 1554, Sector 20-B,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Bhatia w/o Shri R. C. Bhatia,
R/o 3162, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booth site No. 30, Sector 31-D, Chandigarh measuring 58.17 Sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 352 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/180/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 194 (New No. 1234), Sector 18-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Durga Devi w/o Shri Lok Nath Mehta,
Mohan Meaken Breweries, Solan (H.P.).
(Transferor)
- (2) Shri Vidya Sagar Relan s/o Shri Ram Kishan Relan
and Smt. Pritibha Relan w/o Shri Vidya Sagar
Relan, S.C.F. 41, Sector 18-D, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 194 (New No. 1234), Sector 18-C, Chandigarh measuring 500.5 Sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 361 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/183/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SCO Site No. 294, Sector 35-D, Chandigarh measuring 121 Sq. Yds. situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Behl Singh, R/o H. No. 1212, Sector 34-C, Chandigarh.

(Transferor)

- (1) 1. Smt. Kartar Kaur w/o Shri Kishan Singh
2. Shri Jagdish Singh s/o Shri Darshan Singh,
3. Shri Harvinder Singh s/o Shri Kishan Singh
All residents of H. No. 2064, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) Central Bank of India,
SCO No. 294, Sector 35-D,
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. SCO site No. 294, Sector 35-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 369 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/185/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

203, Sector 29 Free hold middle commercial Plot measuring 1535.12 Sq. yds. situated at Sector 29, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kishan Singh s/o Shri Jagat Singh,
R/o House No. 3037, Sector 28-D,
Chandigarh. (Transferee)
- (2) 1. Anita Kumari w/o Shri Ashok Kumar
2. Santosh Kumari w/o Shri Jai Parkash,
3. Deepak Mehal, minor s/o Shri Jai Parkash,
4. Joti Mehal, minor s/o Shri Jai Parkash,
5. Amrit Kumar Mehal minor s/o Ashok Kumar
Through their father and Natural Guardian
Shri Jai Parkash and Shri Ashok Kumar respectively
All r/o H. No. 147, Sector 28-A,
Chandigarh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- Free hold middle commercial plot No. 203 measuring 1535.12 Sq. yds. situated in Sector 29, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 381 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref No CHD/191/78-79—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 15 kanals 10 marlas situated at Village Dadoomajra U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19--16GI/79

- (1) S/Shri Matu Ram & Jaswant Singh
Sons of Shri Sudama,
V Dadoomajra, U T Chandigarh
(Transferor)
- (2) Shri Geja Singh & Others,
R/o V. Dhanas, U.T. Chandigarh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 10 marlas situated in Village Dadoomajra, U T Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 415 of July, 78 of the Registering Authority Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date . 15th March 1979
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. NBA/67/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land measuring 9 kanals 10 marlas situated at Nabha Tehsil Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Parkash s/o Madan Gopal
C/o Jindal Engineering Works,
23-C, Fokal Point, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Krishan Jindal s/o Jagan Nath
2. Ajay Jindal s/o Shri Krishan Jindal
S/o Shri Jagan Nath,
R/o Jindal Niwas Cinema Road,
Nabha Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 kanals 10 marlas situated at Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1473 of August 1978, of the Registering Officer, Nabha.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amrit Lal s/o Madan Gopal,
B-VIII-276, Naya Muhalla, Ludhiana.
(Transferor)

(1) 1. Smt. Santosh Kumari w/o Shri Krishan Jindal
S/o Jagan Nath
2. Shri Rajnish Jindal s/o hri Krishan Jindal
S/o Jagan Nath
R/o Jindal Niwas, Cinema Road, Nabha,
Distt. Patiala.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. NBA/68/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 9 kanals 10 marlas situated at Nabha, Teh. Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in August, 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 kanals 10 marlas situated at Nabha.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1474 of August, 1978 of the Registering Officer, Nabha.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. DBS/26/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 34 bigha 16 biswas situated at Village Kishan Pura, Sub-Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Daya Ram s/o Shri Gopal Dass,
R/o V. Boorian, Teh. Jagadhari. (Transferor)
- (2) M/s. Kuldip Kumar Khanduja & Brothers,
Kothi No. 1330, Sector 18-C, Chandigarh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 34 Bigha 16 Biswas situated in Village Kishanpura, Sub-Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 565 of July, 1978 of the Registering Officer, Dera Bassi.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. AML/74/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 1 Bigha 7 Biswa
situated at Village Nasrali Sub-Teh. Amloh,
Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Rattan Singh, Daya Ram, Kundan Singh, Jangir Singh, Naurata Singh
Ss/o Shyama
R/o Village Nasrali S.-Teh. Amloh, Distt. Patiala.
(Transferor)

(2) Smt. Kusum Sharda w/o Shri Pawan Kumar Sharda
S/o Shanti Saroop
C/o Himalya Iron Traders,
Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 7 Biswa situated in Nasrali Sub-Tehsil Amloh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 743 of July, 1978 of the Registering Officer, Amloh.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. KHR/1/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 130, Phase I, Mehali, (S.A.S. Nagar), Distt. Ropar situated at Ropar

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Saroj Kumari w/o Shri Dharam Vir,
R/o Hathrash, Distt. Aligarh (U.P.)
(Transferee)
- (2) Shri K. K. Bhatnagar, I.A.S.,
Deputy Secretary to Government, Punjab,
Industries Department,
Room No. 19, 3rd Floor,
Punjab Civil Secretariat, Chandigarh.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 130, Phase I, Mehali (SAS Nagar), Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2071 of July, 1978 of the Registering Officer, Kharar.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. PTA/93/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop and House property No. 159-A/3 and 159/3 Dharampura Bazar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Gurcharan Singh s/o Shri Chanchal Singh R/o A-212, Defence Colony, New Delhi.
2. Smt. Bhupinder Kaur wd/o Shri Chanchal Singh R/o New Delhi.
3. Shri Inderjit Singh s/o Shri Chanchal Singh R/o New Delhi.
4. Smt. Jashir Kaur d/o Shri Chanchal Singh R/o Ambala Cantt.
5. Shri Jaspal Singh Jabbi s/o Shri Chanchal Singh R/o Bilaspur (Maharashtra)
- Through General Attorney Shri Gurcharan Singh S/o Shri Chanchal Singh R/o A-212, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Bhajan Kaur w/o Shri Ripduman Singh
- (2) 1. Smt. Bhajan Kaur w/o Shri Ripduman Singh
3. Smt. Paramjit Kaur w/o Shri Sardar Singh All r/o H. No. 159-A/3, Dharampura Bazar, Patiala.

(Transferee)

- (3) 1. Smt. Saran Kaur w/o Shri Sant Singh R/o 159-A/3 Dharampura Bazar, Patiala.
2. Shri Ripduman Singh s/o Shri Sant Singh R/o 159-A/3 Dharampura Bazar, Patiala.
3. Shri Harnam Singh, Shopkeeper, R/o 159-A/3, Dharampura Bazar, Patiala.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop and House property No. 159-A/3 and 159/3 Dharampura Bazar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2212 of July, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1979

Ref. No. CHD/188/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Plot measuring 256.70 sq yards bearing No. 3334 (Old
No. 8), situated at sector 19-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Miss Surinder Kaur, Parminder Kaur
Daughters of Late Shri Wazir Singh and
Shri Jagbir Singh s/o Late Shri Wazir Singh
All r/o H. No. 8-D, Ashu Babu Lane,
Kidarpur, Calcutta-23.

(Transferor)

(2) Shri Dev Raj Thapar s/o Late Shri Amrit Shah
Thapar, R/o H. No. 3048, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 256.70 sq. yards bearing No. 3334 (Old
No. 8), Sector 19-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No.
396 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1979
Seal :

FORM ITNS- ---

(1) Shri Kirpal Singh s/o Shri Gurbax Singh
Sector 22, Chandigarh. s/o Your Studio,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Baldev Raj Aggarwal
s/o Shri Lahori Ram Aggarwal,
r/o H No. 297, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st March 1979

Ref. No. CHD/189 78-79 -Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 297, Sector 20-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—16GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Residential House No. 297, Sector 20-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 403 of July, 1978 of the Registering Authority, Chandigarh)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 21-3-1979

Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st March 1979

Ref. No. LDH/121/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. B-IV-305, measuring 48½ sq. yds. situated at Sarafan Bazar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hari Kishan
s/o Shri Chhaju Ram,
r/o B-IV-1823, Mohalla Naughara, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar
s/o Shri Jai Ram.
r/o B-II-2921, Shivpuri, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) Shri Udho Ram,
Shop No. B-IV-305, Sarafan Bazar,
Ludhiana.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-IV-305, measuring 48½ sq. yds. situated at Sarafan Bazar, Ludhiana).

(The property as mentioned in the Registered dated No. 3067 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 21-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 24th March 1979

Ref. No. CHD/172/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 85, Sector 15-A, Chandigarh situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Roshan Lal Anand
s/o Lala Durga Dass Anand,
r/o 85, Sector 15-A, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Smt. Havoni Bai
w/o Shri Radha Kishan,
r/o 85, Sector 15-A, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Ram Lal,
r/o H. No. 85, 15-A, Sector,
Chandigarh.
2. Shri Jattu Ram
r/o H. No. 85, 15-A Sector,
Chandigarh.
3. Shri Virender Kumar,
r/o H. No. 85, 15-A Sector,
Chandigarh.
4. Shri Mega Singh,
r/o H. No. 85, 15-A Sector,
Chandigarh.
5. Smt. Sutinder Saini,
r/o H. No. 85, 15-A Sector,
Chandigarh.
[Persons in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 85, Sector 15-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 319 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 24-3-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA**

Ludhiana, the 24th March 1979

Ref. No. CHD/179/78-79.—Whereas, I, **NATHU RAM**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Semi Industrial bay Shop No. 9, Sector 18-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) **Shri Jagjit Chander Sharma**
s/o **Shri Durga Dass Sharma**,
r/o 217, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) **Smt. Raj Mohini Sharma**
w/o **Shri Jagjit Chander Sharma**,
r/o 217, Sector 18-A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) **Shri Kishan Kumar Verma**,
S.C.F. 21, Sector 18-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Semi Industrial bay Shop No. 9, Sector 18-D, Chandigarh on a plot measuring 99.08 sq yards.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 357 of July, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 24-3-1979

Seal :

FORM I I N S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BLDG
LUDHIANA

Ludhiana, the 28th March 1979

Ref No CHD/190/78-79 - Whereas, I NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No SCO No 13, Sector 17-F, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Smt Lila Vati Bansal
w/o Shri R D Bansal,
10 H No 1221 Sector 8-C, Chandigarh
(Transferor)
- (2) (i) Shri Virsa Singh Bhullar
s/o Shri Bishan Singh Bhullar
(ii) Shri Baldev Singh Bhullar
s/o Shri Bishan Singh Bhullar,
(iii) Smt Harbans Kaur Bhullar
w/o Shri Virsa Singh Bhullar
all 1/0 Village Fattuwalla,
P O Jhok Hari Hai, Teh & Distt Ferozepur
(Transferee)
- (3) (i) M/s Remington Rand of India Ltd
Ground floor, SCO 13/17-E, Chandigarh
(ii) Shri Bishan Dass,
Prop, New B D Tailors, 1st floor
SCO 13/17 E, Chandigarh
(iii) Shri Ashwani Kumar
Prop Ashish Tailors 1st floor
SCO 13/17 E, Chandigarh
(iv) M/s Sartor Sixteen,
SCO 13/17 E, Chandigarh
(v) The XFN, Workshop, Sub Division
Irrigation Deptt, Punjab, 2nd floor,
SCO 13/17-E Chandigarh
(vi) The Director,
Punjabi Cell, Language Deptt
Punjab, 3rd floor,
SCO 13/17-E Chandigarh
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO 13, Sector 17-L Chandigarh
(The property as mentioned in the registered deed No 411 of July 1978 of the Registering Officer, Chandigarh)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date 28-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 14th December 1978

Acq. File. Ref. No. 866.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. ASST. 400, situated at Narsapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsapur on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Penumatcha Subbaraju, s/o
Bangaru Raju,
Jinnuru, W.G. Dist.,

(Transferor)

- (2) 1. Tadikonda Naveen Sundar,
2. T. Pratap Sundar,
c/o Sri T. N. B. Sundaram,
Royapeta, Narsapur,
W.G. Dist.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1559/78 registered before the Sub-Registrar, Narsapur, during the F.N. ended on 31-7-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 14-12-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 23rd January 1979

Ref No Acq File No—871—Whereas I, B V SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing RS No 112, situated at Chatrai Krishna Dist (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 28-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rao Laxmi Venkata Rangarao,
s/o Sri Sobhanachala Jugannadha Gopala Laxmana Rao,
Chatrai, Tiruvuru Tq.,
Krishna Dist

(Transferor)

(2) Shri Bandi Ramakotiah, s/o
Sri Pakeeriah,
Tallamudi, Eluru Tq.,
WG. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1855/78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 31-7-1978

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range (i/c),
Kakinada

Date 23-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada the 31st January 1979

Ref. No. Acq. File 874.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing RS. No. 162/1 & 201, situated at Kalla (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Undi on 3-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nimmala Rangarao,
2. N. Balakrishna Rao,
3. N. Gungadhara Rao,
M/G. Father Sri N. Ranga Rao,
Kalla, Bhimavaram Tq.,
W.G. Dist.

(Transferors)

- (2) Shrimati Kotha Venkata Satyavathi, w/o
Sri Satyanarayana Murthy,
6th Ward, Bhimavaram,
W.G. Dist.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1063/78 registered before the Sub-Registrar, Undi, during the F.N. ended on 15-7-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (i/c),
Kakinada

Date : 31-1-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 31st January 1979

Ref. No. Acq. File 875.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. Lands, situated at Chatrai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid in July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—16GI/79

- (1) Smt. Inuganti Laxmi Venkayamma, w/o
Shri Venkata Narasimha Rao,
Chatrai, Tiruvuru Tq.,
Krishna Dt.,

(Transferor)

- (2) Smt. Paladugu Satyavathi, w/o
Shri Parasuramaiah,
c/o Sri Satyanarayana Swamy Auto Finance Co.,
Krishnakanka, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1854/78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 31-7-1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (i/c),
Kakinada

Date : 31-1-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 6th February 1979

Ref. No. Acq. File No. 876.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 74, situated at Bommuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 15-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Ravinutula Subba Rao,
2. Sri R. Venkata Krishna Rao,
3. Sri R. Venkata Narasimha Rao,
4. Sri R. Sreenivasa Rao,
Alcot Gardens, Rajahmundry.

(Transferors)

- (2) Shri Garikipati Venkata Krishna,
Minor/Guardian Dr. G. Gopalakrishna,
Prakashnagar, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2818/78 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15-7-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (i/c),
Kakinada

Date : 6-2-1979
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 6th February 1979

Ref No Acq. File No 877.—Whereas I, B V SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No RS No 74, situated at Bommuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 15-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1 Ravinutula Venkata Subbarao
- 2 R Venkata Krishna Rao,
- 3 R Venkata Narasimha Rao,
- 4 R. Sreenivasa Rao,

Alcot Gardens, Rajahmundry

(Transferors)

- (2) Shri Gankipati Pakeeraiah,
- S/o Krishnaiah
- Prakashnagar, Rajahmundry

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2848/78 registered before the Sub Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15.7.1978

B V SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (1/c),
Kakinada

Date 6-2-1979

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 8th February 1979

Ref. No. Acq. File No. 880.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 26-16-28, situated at Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 25-7-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. Sambasiva Rao,
C/o Friends Shoe Co.
Mallikarjuna St. Hanumanpeta,
Vijayawada-3.
- (2) 1. Sri Ch. Pitchaiah,
2. Sri P. Uma Sambasiva Rao,
3. Sri U. Venkateswar Rao,
Partners of M/s Peoples Shoe Co.,
Vuyyuru Zamindar St. Gandhinagar,
Vijayawada-3.
- (3) Pioneer Foot Wear Agencies,
Vijayawada-3.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3499/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-7-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (i/c),
Kakinada

Date : 8-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd January 1979

Ref. No. 442/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at May Fair Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhaba Sankar Das,
11, Suri Lane, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Ajmera Investment Pvt. Ltd.,
2, May Fair Road, Calcutta.
(Transferee)
- (3) M/s. Oriental Trading & Investment Co.
(Portion)
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of two storied building and out-houses containing an area of land 19 cottahs 10 chittacks 32 sq. ft. situated at 1, May Fair Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date : 22-1-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Pushpita Chowdhuri,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manashi Roy Chowdhury.
(Transferee)(3) Nirlon Synthetic Co.
[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 2nd February 1979

Ref. No. Sl. 476/TR-454/C-407/Cal-2/78-79.—Whereas I, V. S. JUNEJA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Orient Row, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, Calcutta on 15-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 450 S. ft. being portion of undivided land measuring 3 K 2 Ch along with two storied building, situated thereon at 3, Orient Row, Calcutta-17 and registered with the Sub-Registrar on 15-7-1978.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calcutta

Date : 2-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ivan Clifford Tyro,
Gwendoline Beatrice Coelho.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Business Forms Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th February 1979

Ref. No. AC-56/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10/1, situated at Post Office Road, P.S. Dum Dum, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 8 cottahs together with one storied building thereon, situated at 10/1, Post Office Road, P.S. Dum Dum, Calcutta more particularly as per deed No. 1-3788 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 9-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Gopi Ranjan Samanta.

(Transferor)

(2) Sri Chandi Charan Dey.
Sri Manik Chandra Dey.
Sri Raghu Nath Dey.
Sri Bhola Nath Dey.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th February 1979

Ref. No. AC-59/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7/1, situated at Bonebhari Bose Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Howrah on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottabs 4 chittaks 35 sft. together with two storied building thereon situated at 17/1, Bonebhari Bose Road, Howrah more particularly as per deed No. 1203 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54, Aafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 12-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Swaraj Paul & Bajrath Singh,
13A, Moore Road, Calcutta

(Transferor)

(2) Shri Mangal Bera
8-B, Alipore Road, Calcutta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-43/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-B, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 5-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the flat on the third floor of premises No. 8-B, Alipore Road, Calcutta, measuring 2145-sq. ft.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 17-2-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—16GI/79

FORM ITNS—

(1) Shri Swaraj Paul & Baijnath Singh,
13A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mangilal Bagri,
8-B, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1979

Ref. No. Ac-44/R-II/Cul/78-79.—Whereas I. S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-B, situated at Alipore Road, Calcutta,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 5-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the flat on the third floor of premises No. 8-B, Alipore Road, Calcutta, measuring 2145-Sq. ft.

S. C. YADAV
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 17-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pradeep Kumar Goenka,
9, Jagmohan Mullick Lane,
Calcutta-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Prabhuji Vyapar (P) Ltd.,
24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-45/R-II/Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, situated at Ashoka Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4-cottahs, 1-chittak & 4-sq. ft. being portion from the extreme western side of premises No. 6, Ashoka Road, Alipore, Calcutta-27.

S. C. YADAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Debaprasad Garga.

(Transferor)

(2) Woodland Investment (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta the 20th February 1979

Ref. No. Sl. 479/FR-382/C-337/Cal-1/78-79.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

78, situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided $\frac{1}{4}$ share of land measuring 15 K. 1 Ch. 17 Sft. along with structure being premises No. 78, Rafi Ahmed Kidwai Road, registered under Deed No. 1-3698 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 26-7-1978.

I. V. S., JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 20-2-1979
Seal :

FORM ITNS(1) Shri Bhupal Prasad Garga &
Haraprosad Garga.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Woodland Investment (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA**

Calcutta, the 20th February 1979

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.Ref. No. SI No. 478/TR-381/C-338/Cal-1/78-79.—Where-
as I, I. V. S. JUNEJA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing No.78, situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 25-7-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—**THE SCHEDULE**Undivided $\frac{1}{4}$ share of land measuring 15 K. 1 Ch. 17 Sft.
along with structure being premises No. 78, Rafi Ahmed
Kidwai Road, registered under Deed No. I-3662 before the
Registrar of Assurance, Calcutta on 25-7-1978.**I. V. S., JUNEJA**
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 20-2-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 449/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

35, situated at Ahiripukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Debsaday Dutta & Sm. Arati Dutta,
6/1, Gurusaday Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Shri Laxhi Prosad Gourisaria,
43, Grey Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land admeasuring 20 cottahs 5 chittacks 27 sq. ft. and structures erected thereon at premises No. 35, Ahiripukur Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16

Date 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Debsaday Dutta & Sm. Arati Dutta,
6/1, Gurusaday Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Sohanlal Gourisaria,
43, Grey Street, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 450/Acq. R-III/78-79/Cal—Whereas I, VAS-
KAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said' Act'), have reason to believe that
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing35, situated at Ahiripukur Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer
Calcutta on 18-7-1978for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land admeasuring
20 cottahs 5 chittacks 27 sq. ft. and structures erected
thereon at premises No. 35, Ahiripukur Road, Calcutta.VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref No 452/Acq R-III/78 79/Cal—Whereas I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No 35, situated at Ahiripukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Debsaday Dutta & Sm Arati Dutta
6/1 Gurusaday Road, Calcutta

(Transferor)

- (2) Shri Nandalal Gourisaria,
43, Grey Street, Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land admeasuring 20 cottahs 5 chittacks 27 sq ft and structures erected thereon at premises No 35 Ahiripukur Road, Calcutta

VASKAR SFN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date 22-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Debsaday Dutta & Sm Arati Dutta,
6/1, Gurusaday Road Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mohanlal Goumsatia
43 Grey Street Calcutta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta 16, the 22nd February 1979

Ref No 451/Acq R-III/78-79/Cul—Whereas J VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing 35, situated at Ahirpukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18.7.1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
23—16GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land admeasuring 20 cottahs 5 chittacks 27 sq ft and structures erected thereon at premises No 35 Ahirpukur Road, Calcutta

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Debsaday Dutta & Sm. Artati Dutt,
6/1, Gurusaday Road, Calcutta.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sm. Premrata Gourisaria,
43, Grey Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 453/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 35, situated at Ahiripukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/5th share of land admeasuring 20 cottahs 5 chittacks 27 sq. ft. and structures erected thereon at premises No. 35, Ahiripukur Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date : 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anamika Builders Pvt. Ltd.
20, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Indu Kumar Doshi,
33, Dr. Rajendra Road,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 456/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VAS-
KAR SEN,
being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Flat No. 4A, situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 4A on the fourth floor of the
building situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date : 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Anamika Builders Pvt. Ltd.
20, Ganesh Ch Avenue, Calcutta

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh Chouhan,
33, Dr Rajendra Road,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta 16, the 22nd February 1979

Ref No 457/Acq R III/78 79/Cul—Whereas I, VASKAR SEN,

being the competent authority under section 269 of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Flat 3A, situated at 33 Dr Rajendra Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed

herto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All that entire flat No 4A on the fourth floor of the building situated at 33, Dr Rajendra Road, Calcutta

VASKAR SEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax

Acquisition Range III,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 22-2-1979

Seal .

FORM IINS

(1) Sardar Resham Singh.

(Transferor)

(2) Sardar Kuldip Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 24th February 1979

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. AC-60/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas J. S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Amrasota Mouza P.S. Raniganj, Dist. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Raniganj on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs being plot No. 1218, situated at Punjabi Moore, Raniganj, Dist. Burdwan, more particularly as per deed No. 3753 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sardar Resham Singh.

(Transferor)

(2) Sh. Harpal Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 24th February 1979

Ref. No. AC-61/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Amrasota Mouza P.S. Raniganj, Dist. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raniganj on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs being plot No. 1218, situated at Punjabi Moore, Raniganj, Dist. Burdwan, more particularly as per deed No. 3754 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 24-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA 16

Calcutta-16, the 26th February 1979

Ref No 460/Acq R III/78-79/Cal—Whereas I, VASKAR SFN, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 474, situated at Rabindia Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kalipada Chakravorty,
13, Nether Bagan Street,
Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Bhubati Chandu Chandu
136, Rabindia Sarani,
Calcutta

(Transferee)

(3) Tenants

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 3 cottahs 7 chittacks 34 sq ft of land together with a three storied building erected thereon at premises No 474, Rabindra Sarani, Calcutta

VASKAR SEN

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date 26-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA 16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref No 458/Acq R-III/78-79/Cal—Whereas I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Flat No 4B, situated at 33, Dr Rajendra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

(1) Anamika Builders Pvt. Ltd.,
20, Ganesh Ch Avenue,
Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Bhupattal M Parekh,
33 Dr Rajendra Road,
Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No 4B, on the fourth floor of the building situated at 33, Dr Rajendra Road, Calcutta

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date : 22-2-1979
Seal :

FORM TINS—

(1) Sri Sudarsan Mukherjee.

(Transferor)

(2) Sri Prabir Kumar Ghose

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta the 1st March 1979

Ref. AC-62/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at P. S. & Mouza Uttarpara, Dist. Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandan Nagar on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24-116GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 11 cottahs 3 Chittaks 2 sft and single storeyed structure thereon at P. S. & Mouza Uttarpara, District Hooghly on the western side of 20, Rajkissen Street, Uttarpara as more particularly described in the deed No. 1045 of 1978.

S. K. DASGUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV, Calcutta-16

54, Rafi Ahmed Kidwai Road.

Date : 1-3-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1979

Ref. No. AC-63/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at P.S. & Mouza Uttarpara, Dist. Hooghly (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandan Nagar on 27-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Sudarsan Mukherjee.

(Transferor)

(2) Smt Chandrabati Ghose.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 cottahs 3 chittaks 2 sft and structure thereon at P.S. & Mouza Uttarpara, Dist. Hooghly, on the western side of 20, Raj Kissen Street, Uttarpar as more particularly described in deed No. 1046 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV, Calcutta-16
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.

Date : 1-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Sudarsan Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Haripada Ghose

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE IV
CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1979

Ref No AC 64 Acq R-IV/Cal/78-79—Whereas I, S K DASGUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/ and bearing No situated at Mouza & P S Uttarpara, Dist Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandan Nagar on 27-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 11 cottaks 3 chittaks 2 sft, situated at Mouza & P S Uttarpara, Dist Hooghly on the western side of 20, Raj Kissen Street, Uttarpara as more particularly described in deed No 1047 of 1978

S K DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date 13-1979
Seal

FORM ITNS—

(1) Sri Sudarsan Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Radhvashyam Ghose.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1979

Ref. No. AC-65/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mouza & P.S. Uttarpara, Dist. Hooghly (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandan Nagar on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 cottahs 3 chittaks 2 sit & structure thereon situated at Mouza & P.S. Uttarpara, Dist. Hooghly on the western side of 20, Raj Kissen Street, Uttarpara as more particularly described in deed No. 1048 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date : 1-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Sudarsan Mukherjee.

(Transferor)

(2) Sri Gopal Chandra Ghose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1979

Ref. No. AC-66/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As in the Schedule situated at Mouza & P.S. Uttarpara, Dist. Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandan Nagar on 27-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 11 cottahs 3 chittaks 2 sft. situated at Mouza & P.S. Uttarpara, Distt Hooghly on the western side of 20, Raj Kissen Street, Uttarpara, as more particularly described in deed No. 1049 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 1-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nirmal Baran Bhattacharjee.

(Transferor)

(2) Smt. Subhra Dey & Smt. Krishna Dutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1979

Ref. No. AC-67/Acq R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19, situated at Surah 3rd Lane, Calcutta-10

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sealdah on 5-7-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property,

and I have reason to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of 5 cottahs 5 chittaks 5 sft. of vacant land, at premises No. 19, Surah Third Lane, Calcutta-10, P.S. Beliaghata, Plot No. 49 of C.I.T. Scheme No. IVM as more particularly described in deed No. 735 for the year 1978

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lakshmi Prasad Burna.

(Transferor)

(2) Prakash Chandra Patra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1979

Ref. No. AC-68/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 188/1, situated at Maniktola Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 22-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land (vacant) measuring 3 cottahs 12 chittaks, situated at 188/1, Maniktola Main Road, Calcutta more particularly as per deed No. 4320 for the year 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 5-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Panchanan Mouluk.

(Transferor)

(2) Shri Asit Kumar Mozumder

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1979

Ref. No. AC-69/Acq R-IV Cal/78-79. —Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 240, situated at Block-A, Lake Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 5 cottahs 5 chittaks at plot No. 240, Block-A, Lake Town, Mouza Patipukur, Dist. 24-Pgs. more particularly as per deed No. 3761 for the year 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 5-3-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nidhiranjan Majumdar.

(Transferor)

(2) Shri Jiban Krishna Saha &
Smt. Runu Rani Saha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1979

Ref. No. AC-70/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 203, situated at Mouza Sodepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Barackpore on 14-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—L16GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 5 cottahs and building thereon at Kh. No. 203, Dag No. 7 of Mouza Sodepur, Panihati Municipality, Dist- 24-Pgs., as more particularly described in deed No. 3085 for the year 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 5-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Keshardeo Saraf.

(Transferor)

(2) Shri Pramod Kumar Agarwal.

(Transferee)

(3) Stee Durga Saw Mill.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1979

Ref. No. AC-71/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza Debgram, situated at Siliguri, Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 1½ cottahs situated at Mouza Debgram, Siliguri, Dist. Darjeeling more particularly as per deed No. 3459 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 9-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1979

Ref. No. AC-72/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza Debgram, situated at Siliguri, Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--------------------------------|--|
| (1) Shri Keshardeo Saraf. | (Transferor) |
| (2) Shri Nirmal Kumar Agarwal. | (Transferee) |
| (3) Sree Durga Saw Mill. | [Person in occupation of the property] |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 bigha 1½ cottahs, situated at Mouza Debgram, Siliguri, District Darjeeling more particularly as per deed No. 3458 for the year 1978.

S. K. DASGUPTA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Calcutta-16

Date : 9-3-1979

Seal :

FORM FINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1979

Ref No AC 74/Acq R-IV/Cal 78-79—Whereas I S K DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

172 situated at C I T Scheme VIM, Calcutta-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (1) Smt Ranjana Mohanlal Joshi (Transferor)
- (2) 1 Harnathrai Agarwalla,
2 Basdeo Agarwalla and
3 Chhaganlal Agarwalla (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land (vacant) measuring 4 cottahs 7 chittaks 41 sft situated at plot No 172 C I T Scheme VIM, Calcutta more particularly as per deed No 4178 of 1978

S K DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range IV
54 Rifi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date 14-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Satya Narayan Ram

(Transferor)

(2) Shri Ramanand Prosad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1979

Ref. No. AC 75/ Acq. R-IV Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. Plot No. 7493, Ward No. 11, situated at Khalpara, P.S. Siliguri, Dist. Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 8-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs situated Khalpara Mouza Siliguri, Pargana Baikunthapur Municipality, Ward No. 11 Dist. Darjeeling, more particularly as per deed No 4599 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 14-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta the 12th March 1979

Ref. No. Ac-50/R-II/Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 150/10/7, situated at Mahatma Gandhi Road, Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, 24-Parganas, Alipore on 3-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dipak Kr. Roy, C/o Late Grijja Sankar Roy, 18C, K. H. Naskar Road Calcutta-40.
(Transferor)
- (2) Smt. Lila Rani Chakraborty, w/o Sri Jatish Ch. Chakraborty, 99/100, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-41.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-cottahs, 9-chittaks & 40-sq. ft. together with one storeyed building at Mouza Haridebpur, P.S. Behala.

S. C. YADAV
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Aafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 12-3-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA**

Calcutta, the 17th March 1979

Ref. No. AC-76/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing 7/16, situated at Lawrence Street, P.S. Uttara para, Dist. Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Serampur on 5-7-1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Nikhil Ranjan Bhattacharjee. (Transferor)
(2) Shri Amitava Bakshi. (Transferee)
(3) Shri Nikhil Ranjan Bhattacharjee.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land with building measuring 050 Dec. situated at 7/16, Lawrence Street, Uttara para, Dist. Hooghly, more particularly as per deed No. 2248 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 17-3-1979
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Hari Nath Bhattachajec.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gouri Bala Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 17th March 1979

Ref. No. AC-77/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 56, situated at Simla Road, Calcutta-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 3-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 2 chittaks together with building situated at 56, Simla Road, P.S. Maniktola, Calcutta-6, more particularly as per deed No. 846 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th March 1979

Ref. No. 463/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1, situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—16GI/79

- (1) Smt. Chanda Bai Suraiya,
23 Theatre Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Shri Bishwambhar Lal Shah,
26/1-G, Prasanna Kr. Tagore Street,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in building together with 10 cottahs 3 chittacks of land situated at premises No. 1/1, Rowland Road, Calcutta.

VASKAR SEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date : 8-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th March 1979

Ref. No 462/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 1/1, situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chanda Bai Suraiya,
23 Theatre Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Smt. Gita Devi Shah,
26/1-G, Prasanna Kr. Tagore Road,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in building together with 10 cottahs 3 chittacks of land, situated at premises No. 1/1, Rowland Road, Calcutta,

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date : 8-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th March 1979

Ref. No. 461/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/1, situated at Rowland Road, Calcutta, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-7-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chanda Bai Suraiya,
23 Theatre Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Shri Bimal Kumar Shah,
26/1-G, Prasanna Kr. Tagore Street,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in building together with 10 cottahs 3 chittacks of land, situated at premises No. 1/1, Rowland Road, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Date : 8-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 24th March 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/July-9/2774/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shops Nos. 3442-3447 and 3449-3470 situated at Phool Mandi, Hauz Qazi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Behari Lal Jhujbunwala,
S/o Late Shri Bisheshwar Dass,
r/o at Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Jain,
S/o Shri P. C. Jain,
r/o 1323, Gali Gulian, Dariba Kalan,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

32 shops bearing Nos. 3442-3447 and 3449-3470 measuring 563 sq. yds. situated at Phool Mandi, Hauz Qazi, Delhi and bounded as under :—

East : H.P. 3496-3499 and Jhot & H.P. No. 3880-3891

West : H.P. No. 3430-3433 & 3435 & Gali

North : H.P. No. 3512-3520 & 3428 & Gate of Building.

South : H.P. No. 3433-3441, 3471-3475 & 3481-3484 with common entrance.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Date : 24-3-1979

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1979

No. F 10 4/78 P.I.(B)

New Delhi, the 14th April 1979

A competitive examination for recruitment to vacancies in the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PAINA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad commencing on 25th September 1979 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 14th April, 1979.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure para 11).

2. The Services posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services/posts are given below—

- (i) Grade IV Assistants of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B)—*
- (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service—3 (includes one vacancies reserved for Scheduled Castes candidates)
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service—*
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service—84 (includes 13 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 6 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates)
- (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the IFS (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service—*

The above numbers are liable to alteration.

*Vacancies not intimated by Government.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the Application form the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing, would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the examination.

4. A candidate seeking admission in the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi 110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full

particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs 2.00 which should be submitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi 110011, by Money Order or by Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. (Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs 2.00 will in no case be refunded).

NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1979. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1979 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 4th June, 1979 (18th June, 1979 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 4th June, 1979) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 4th June, 1979.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs 28.00 (Rs 7.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED, THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz Naval, Military or Air Forces of the Union) including the Armed Forces of the former Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu and Kashmir Militia, Lakshayak Sena and Territorial Army for a continuous period of not less than six months after attestation as on 4th June 1979.

(i) has been released otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or

- (ii) has to serve for not more than six months as on 4th June, 1979, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

8. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) **CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft** for the prescribed fee, or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of the Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of the Certificate of age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Castes /Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).
- (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE : CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (i), (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY ON THE RESULTS OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MARCH, 1980. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

4. Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5.

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at the Commission's examination but have not been informed to the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the attendance sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(v) and 3(vi) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the applications should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____
son/daughter* of _____
of village/town* _____ in District/Division* _____
of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Shrimati/Kumari* _____ and/
or* his/her* family ordinarily reside(s) in village*/town* _____
of _____ District*/Division of the
State*/Union Territory of _____.

Signature _____
**Designation _____
(with seal of office)

Place _____
Date _____

State*/Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

(5) (a) LDCs/UDCs/Stenographers Grade D claiming age concession under rule 6(b) should submit a certificate in original from the Head of the Department/Office in the following form :—

Certified that he/she is holding the post of I.D.C./U.D.C./Stenographer Grade D* in the office of _____ which is a Department/Office* of the Government of India/Union Territory* of _____ w.e.f. _____ and has rendered not less than 3 years' continuous and

regular service as L.D.C./U.D.C./Stenographer Grade D* on 1st January, 1979 and he/she continues to be so employed.

Signature.....
Designation.....
Date.....
Ministry/Office.....
Office Stamp.....

*Strike out whichever is not applicable.

(b) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c)(ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(c) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.

(d) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(e) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(c)(viii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bonafide* migrant from the countries mentioned above.

(f) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....
Designation.....
Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(g) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(x) or 6(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....
Designation.....
Date.....

(h) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(i) An ex-serviceman seeking remission of fee under para 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

(j) A candidate claiming age concession under rule 6(D) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under the Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules there under specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paras 5(b), (c) and (d) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharg Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE,

NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13, ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.



